INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-45 | मथुरा, शनिवार, 11 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

Aakash Healthcare (Delhi) एंव CIMS Hospital (Mathura)

की सांझेदारी

एक नई शुरुआत एक पुराना रिश्ता

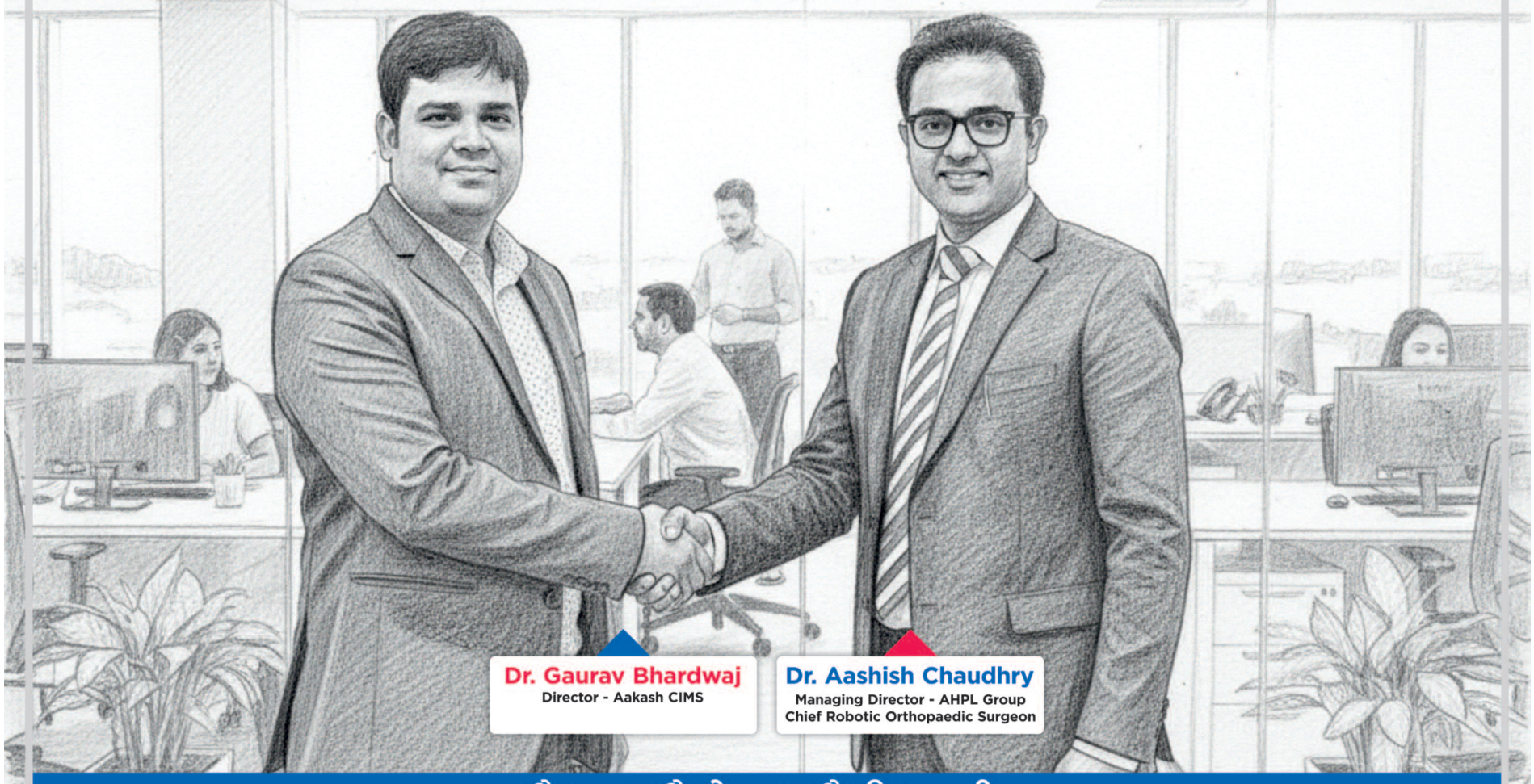

और बड़ा | और बेहतर | और विश्वसनीय

बढ़ता कारवां, बढ़ती सेवाएं 500 बेड का वादा

Aakash CIMS
Super Speciality Hospitals

"Centre of Excellence in Super Speciality Care"

मथुरा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी अब हमारी.

विश्वस्तरीय सेवाएँ

रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट | आधुनिक कैंसर केयर | रोबोटिक जनरल सर्जरी | गैस्ट्रो और जी.आई. सर्जरी | लिवर और किडनी प्रत्यारोपण

Call Connect
+91 - 9258113570, 9258113571

निकट राधा वैली, एन.एच.19, मथुरा उत्तर प्रदेश–281001.
www.aakashcims.com | cims@aakashhealthcare.com | Follow us on:

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-45 | मथुरा, शनिवार, 11 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

पंजाब के मुख्यमंत्री ने जगराव पहुंचकर मृतकों को दी श्रद्धांजलि

जगराव में एक साथ जलीं पांच चिताएं, लोगों की नम हुई आंखें

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन क्षेत्र में माटरबोट हादसे में मरने वाले एक ही परिवार के पांच लोगों की चिताएं एक साथ पंजाब के जगराव के श्मशान में जलीं तो लोगों की आंखों से आंसू निकल आए। वहीं पंजाब के मुख्यमंत्री ने वहां पहुंचकर दुख जाहिर करते हुए हादसे का शिकार हुए लोगों को श्रद्धांजजलि दी।

मथुरा से जैसे ही एम्बुलेंस से पांच शवों को जगराव लाया गया वहां एक साथ लाए गए पांच शवों के देख कर मातम पसर गया। मरने वालों के परिवार

के लोग फूट–फूट कर रोने लगे। परिवार की इस हालत को देख इलाके का माहौल इसे देख पूरी तरह से गमगीन हो गया। वोट हादसे के शिकार हुए ईशान कटारिया निवासी कपूर कालोनी कच्चा मलक रोड, मधुर बहल और उनकी मां कविता रानी निवासी गीता कालोनी, चरन जीत सिंह काला और उनकी पत्नी के शवों को एक साथ श्मशान ले जाकर चिताएं लगाई गईं। परिवार के लोगों ने रोते बिलखते चिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान वहां पंजाब के मुख्यमंत्री भगवत मान, लुधियाना के सांसद अमरिंदर सिंह, राजा वाड़िया और उनकी पत्नी ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही हादसे का शिकार हुई मोगा के गुरु रामदास नगर की रहने वाली सपना के शव के अंतिम संस्कार का इंतजार उनके कनाडा से आने वाले बेटे के लिए किया जा रहा है। रिकेश गुलाटी, अंजू व राजेंद्र कौर आदि का भी अंतिम संस्कार गमगीन माहौल में किया गया।

मौजूद लोगों की आंखों से निकल रहे थे आंसू

इलाके में पूरी तरह से छाया रहा मातमी माहौल

यमुना के घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था की खुलती पोल!

हादसों के बाद भी नहीं जागा सिस्टम, लापरवाही कायम

घटना के बाद यमुना में मोटरबोट पर बिना जैकेट सवार लोग।

यमुना घाट बने 'नो सेफ्टी जोन', हादसे के बाद भी नहीं बदली तस्वीर

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन स्थित यमुना में कल हुए नाव हादसे के बाद घाटों की सुरक्षा व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। मथुरा स्थित विश्राम घाट और वृंदावन क्षेत्र के कई घाटों पर हालात का जायजा लेने पर सामने आया कि सुरक्षा इंतजाम अभी भी बेहद कमजोर हैं।

पिछले कुछ समय में हुई घटनाएं इस स्थिति को और स्पष्ट करती हैं। हाल ही में नाव डूबने से 11 लोगों की जान गई, वहीं इससे पहले भी क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने और संतुलन बिगड़ने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। कुछ मामलों में श्रद्धालु फिसलकर यमुना में गिर गए, जबकि बचाव संसाधनों के अभाव में समय पर मदद नहीं मिल सकी। इन घटनाओं के बाद अस्थायी सतर्कता जरूर बढ़ी, लेकिन स्थायी सुधार नजर नहीं आया।

घाटों पर न तो लाइफ जैकेट की पर्याप्त उपलब्धता है और न ही प्रशिक्षित गोताखोरों की स्थायी तैनाती। कई जगहों पर नाव संचालन बिना स्पष्ट नियमों और निगरानी के जारी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हादसे के बाद कुछ दिनों तक सख्ती रहती है, लेकिन फिर व्यवस्था ढीली पड़ जाती है।

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के बीच भीड़ प्रबंधन भी चुनौती बना हुआ है। आस्था के चलते लोग जोखिम उठाकर नावों में बैठते हैं, जहां क्षमता से अधिक सवारियां होना आम बात है। घाटों पर चेतावनी संकेत और नियंत्रण व्यवस्था भी सीमित दिखाई देती है। स्थिति बताती है कि समस्या केवल एक हादसे तक सीमित नहीं, बल्कि लगातार बनी हुई व्यवस्था की कमजोरी है। यदि सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू नहीं किया गया तो भविष्य में ऐसे हादसे दोहराए जा सकते हैं। आवश्यक है कि घाटों पर स्थायी निगरानी, लाइफ जैकेट की अनिवार्यता, नावों की क्षमता निर्धारण और प्रशिक्षित बचाव दल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। फिलहाल यमुना घाटों की स्थिति यह संकेत देती है कि आस्था के इस केंद्र पर सुरक्षा अभी भी किस्मत के भरोसे टिकी हुई है।

ओवरलोडिंग और 'जुगाड़' बोट बन रहे खतरे

यूनिक समय, मथुरा। मोटरबोट के पलटने की वजह ओवर लोडिंग भी मानी जा रही है। मोटरबोट में 32 श्रद्धालु क्षमता से कहीं अधिक थे। यमुना में चलने वाली मोटरबोट के चालक बोट में क्षमता से अधिक श्रद्धालुओं को बिठा कर उनके जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। वहीं दुर्घटना से बचने के लिए बोटों में कोई सुरक्षा इंतजाम तक नहीं हैं। इसके साथ ही यमुना में चलाई जा रही मोटरबोटों का निर्माण भी किसी कंपनी द्वारा न करके लोकल स्तर पर ही (जुगाड़) बनाकर कराया जा रहा है यह भी एक गंभीर सवाल है कि बोटों की फिट्नेस आदि भी नहीं होती है। इस तरह मोटरबोट यमुना में लोगों के जीवन के लिए आगे और बड़ा खतरा साबित हो सकती है।

वृंदावन हादसे पर हेमामालिनी ने दुख व्यक्त किया

यूनिक समय, मथुरा। सांसद हेमा मालिनी ने वृंदावन स्थित यमुना में एक स्टीमर के पलटने से हुए हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि वृंदावन में हुई यह नाव दुर्घटना आत्मा को झकझोर देने वाली है। वह भगवान श्री कृष्ण से प्रार्थना करती हैं कि दिवंगत आत्माओं को शांति मिले और उनके परिवारों को यह अपार दुख सहने की शक्ति मिले।

हादसा, कार्रवाई और फिर सन्नाटा!

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा में हाल की घटनाओं के बाद प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। अक्सर देखा जाता है कि किसी बड़े हादसे के बाद जांच, निरीक्षण और सख्त निर्देशों का दौर तेज हो जाता है, लेकिन कुछ समय बाद स्थिति फिर सामान्य हो जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पैटर्न नया नहीं है, पहले भी कई बार ऐसा हो चुका है। अस्थायी कदमों से समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल पाता, जिससे वही मुद्दे बार–बार सामने आते रहते हैं। अब सवाल यही है कि क्या इस बार बदलाव संभव है या फिर पुराना चक्र दोहराया जाएगा।

यमुना में डूबे पांच लोगों में से एक और शव मिला, चार लापता

लापता श्रद्धालुओं का यमुना में खोजी अभियान जारी

मोटरबोट हादसे में मरने वालों की संख्या हुई ग्यारह

यूनिक समय, मथुरा। यमुना के केसीघाट और वंशीबट के बीच पौंटूनपुल से वृंदावन में टकराई मोटरबोट में सवार पांच श्रद्दालुओं का पता लगाने के अभियान में जुटी सर्च टीम को एक और शव आज मिल गया। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम अब लापता चार लोगों की खोज में लगी हुई है। इस दुखद हादसे में मरने वालों की संख्या अब 11 हो गई है।

हिसार व लुधियाना, पंजाब से दो बसों में 130 श्रद्धालु वृंदावन दर्शन करने के लिए आए थे। श्रद्धालुओं में महिलाएं भी थीं। बताया गया है कि एक दल के 37 श्रद्धालु यमुना में नौका विहार करने के लिए एक मोटरबोट में सवार थे। मोटरबोट केसीघाट और वंशीवट के समीप स्थित पौंटून पुल से टकरा कर पलट गई। वहीं गोताखोरों ने 12 श्रद्धालुओं को यमुना में डूबने से बचा लिया। इसके साथ ही 10 लोगों की पानी में डूबने के कारण मौत हो गई तथा पांच लोगों का पता नहीं लग सका। सेना के जवानों के साथ–साथ एनडीआरएफ, एसडीआरएफ के जवानों द्वारा यमुना में डूबे पांच श्रद्धालुओं को शनिवार को भी खोजा, जहां टीम को देवराह बाबा के समीप युमना से आज एक शव और मिल गया है। अब सर्च टीम चार अन्य लापता लोगों की तलाश में जुटी हुई है।

बिलखते लोग बोले.. ठाकुरजी यह क्या किया

पोस्टमार्टम गृह पर शवों को देख फफक–फफक कर रो पड़े परिजन

यूनिक समय, मथुरा। जिला कारागार के समीप स्थित पोस्टमार्टम गृह पर देर रात तक अपनों से बिछड़े लोग उनको याद कर बेहद दुखी दिखाई दिए। अधिकांश लोगों की आंखों में आंसू थे तो कुछ लोग फफक-फफक कर रोने लगे, उनके साथ आये लोगों ने बड़े धैर्य के साथ उन्हें ढांढस बंधाया। पोस्टमार्टम का माहौल बेहद गमगीन था। वृंदावन में यमुना में मोटरबोट पलटने के कारण हुए इस हृदय विदारक घटना में पानी में डूबने से मरे 10 लोगों के शव वहां रखे हुए थे। मरने वालों में एक

ही परिवार के चार सदस्य भी शामिल थे। हादसे का शिकार होने वाले परिवार के लोगों को जैसे ही पता लगा तो लोग वहां से गाड़ियों से मथुरा की ओर दौड़ पड़े। मोरचरी पर बड़ी संख्या में गाड़ियां और रोते बिलखते लोग थे। मोरचरी पर देर रात करीब दो बजे तक सभी शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिवार के लोग उनके शवों को अपने साथ ले गए।

यमुना में चल रही मोटरबोटों पर उठने लगे सवाल

यूनिक समय, मथुरा। यमुना नदी में चलने वाली मोटरबोट का निर्माण किसी कंपनी ने नहीं बल्कि उसको मथुरा में ही सस्ती कीमत पर (जुगाड़) से बनाया गया है। इन मोटरबोटों की गुणवत्ता को लेकर लोग अब सवाल उठा रहे हैं।

एक जानकारी के अनुसार दिल्ली क्षेत्र में यमुना में चलने वाली मोटरबोट अधिकतर मध्यम आकार की हैं। इन मोटरबोटों पर अधिकतम सवारियां बैठाने की क्षमता लिखी होती है। निर्धारित संख्या से अधिक सवारियां बैठाना गैर कानूनी है।

विश्राम घाट से आगे टापू के पास खड़े नाव और स्टीमर।

मध्यम आकार की मोटरबोट में 50 से 80 सवारियां ले जाने की क्षमता होती है। मथुरा–वृंदावन में चलने वाली मोटरबोटों में सवारियों को ले जाने की क्षमता नहीं लिखी है कि उसमें अधिकतम कितनी सवारियां बैठ सकती हैं। यहां चलने वाली

लोगों ने की मोटरबोटों की जांच की मांग

मोटरबोटों को भी किसी अधिकारी ने आज तक चेक नहीं किया है कि उनकी हालत और क्षमता किया है। यहां तो लोगों ने थोड़े पैसे खर्च कर इस तरह की जुगाड़ कर ली है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि यमुना में चलने वाली मोटरबोटों की जांच कराकर यमुना में लोगों के जीवन से होने वाली खिलवाड़ पर अंकुश लगाया जाए।

तापमान / मौसम

27 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

16 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,53,970
22 कैरेट 1,41,000
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,36,158 प्रति किलो

हादसे में घायलों का हाल जानने पहुंचे जिलाधिकारी

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, वृंदावन (मथुरा)। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने वृंदावन स्थित रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम चैरिटेबल हास्पीटल का निरीक्षण कर यमुना हादसे में घायल हुए लोगों का कुशलक्षेम जाना। केशी घाट के निकट स्टीमर/नौका पलटने की घटना में घायल श्रद्धालुओं का इलाज यहां चल रहा है।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वार्डों का जायजा लिया और चिकित्सकों से घायलों की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने प्रत्येक मरीज को समुचित उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि किसी भी मरीज को दवा, जांच या अन्य चिकित्सा सुविधा में किसी प्रकार की कमी न रहे।

जिलाधिकारी ने अस्पताल में मौजूद घायलों के परिजनों से भी

रामकृष्ण मिशन चेरिटेबिल हास्पीटल में भर्ती एक श्रद्धालु को देखते डीएम सीपी सिंह।

बातचीत की और उनका हाल जाना। परिजनों ने उपचार व्यवस्था पर संतोष जताते हुए प्रशासन से निरंतर सहयोग की अपेक्षा की। इस दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि घायलों के इलाज में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त संसाधन तत्काल उपलब्ध कराए जाएं।

उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तरह से स्थिति पर नजर बनाए हुए है और घायलों के बेहतर उपचार के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। अस्पताल प्रबंधन को भी समन्वय बनाए रखते हुए उपचार प्रक्रिया को सुचारू रखने के निर्देश दिए गए हैं।

वृन्दावन हादसे पर डिम्पल यादव ने प्रशासन को ठहराया जिम्मेदार

वृंदावन आई सपा सांसद डिम्पल यादव का स्वागत करने के बाद उनके साथ सपा युवजन सभा के प्रदेश सचिव अशोक कुमार यादव और महानगर अध्यक्ष अंकित वार्ष्णेय।

यूनिक समय, वृन्दावन। समाजवादी पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं सांसद डिम्पल यादव ने ठाकुर बांके बिहारी मंदिर पहुंचकर दर्शन कर पूजा–अर्चना की। मंदिर के सेवायत गोपी गोस्वामी ने देहरी पूजन कराया।

दर्शन के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए सपा नेत्री डिम्पल यादव ने वृन्दावन में हुए हालिया दुखद हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह हादसा प्रशासन की लापरवाही का परिणाम है और इसके लिए सरकार भी पूरी तरह जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम न होना बेहद चिंताजनक है और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। इस अवसर पर सपा युवजन सभा के प्रदेश सचिव अशोक कुमार यादव और महानगर अध्यक्ष अंकित वार्ष्णेय सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने सपा नेत्री डिम्पल यादव को ठाकुर बांकेबिहारी महाराज का चित्रपट भेंटकर स्वागत किया।

मोटरबोट चालक श्रद्धालुओं की बात मान लेता तो टल....

यूनिक समय, मथुरा। मोटरबोट चलाने वाला अगर बोट में बैठे श्रद्धालुओं की बात मानलेता तो इतना बड़ा हादसा टल सकता था, लेकिन होनी को कौन टाल सकता है। यमुना के पानी में मोटरबोट को तेजी से चलाने के दौरान जैसा कि कई श्रद्धालुओं ने चालक से माटरबोट की स्पीड धीमी करने के लिए कहा, लेकिन उसने सभी की बातों को यह कहकर अनसुना कर दिया कि बोट को इस तरह चलाना उसका रोज का काम है। चालक के इस ओवर कॉन्फीडेंस से श्रद्धालुओं को जो खुशी और सकून मिला वह एक क्षण में ही छिन गया।

डीजल से चल रहे स्टीमर फैला रहे यमुना में प्रदूषण

यूनिक समय, वृंदावन। यमुना प्रदूषित क्यों न हो। यह सवाल उठाया है कई लोगों ने। कहा कि यमुना में डीजल से संचालित स्टीमर चल रहे हैं, उससे यमुना प्रदूषित होती है। यमुना जल डीजल इंजन की वजह से काफी दूषित हो जाता है। यमुना पर डीजल पेट्रोल तैरता हुआ दिखाई देता है। क्या शासन प्रशासन इन सब बातों से अनजान है।

कमिश्नर, डीआईजी एवं डीएम उतरे मैदान में

हादसे के बाद यमुना में चल रहे राहत और बचाव कार्य का स्टीमर के माध्यम से निरीक्षण करते मंडलायुक्त नगेन्द्र प्रताप, डीआईजी शैलेश कुमार पाण्डेय, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह आदि अधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। शुक्रवार को केशीघाट के निकट हादसे के बाद रात दो बजे तक रेस्क्यू चला। फिर आज सुबह दिन निकलने के साथ टीम यमुना में उतर गई और लापता श्रद्धालुओं की खोज शुरू कर दी। केशीघाट के निकट पौंटून पुल से लेकर देवराह बाबा घाट के निकट पौंटून पुल तक अभियान चला। सुबह से यमुना किनारे लोगों की भीड़ नजर आई।

मंडलायुक्त नगेन्द्र प्रताप, डीआईजी शैलेश कुमार पाण्डेय, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, एडीएम वित्त एवं राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा, उप

यमुना में बचाव कार्यों का निरीक्षण करते अधिकारी

जिलाधिकारी सदर/ ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अभिनव जे. जैन ने हादसे के बाद यमुना में चल रहे राहत और बचाव कार्य का स्टीमर के माध्यम से निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बचाव दल से कई जानकारियां ली। भरोसा दिलाया कि जल्द लापता श्रद्धालुओं को ढूंढ़ निकाला जाएगा। कल हुए हादसे को लेकर यमुना किनारे खुली दुकानों पर लोग एक ही चर्चा करते नजर आए छोटी सी नासमझी से कितना बड़ा हादसा हो गया।

मोटरबोट चलाने वाला नाविक और ठेकेदार गिरफ्तार

वृंदावन में कल हुए हादसे की रिपोर्ट दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। केसी घाट और वंशीवट के बीच पौंटून पुल से मोटरबोट के टकराने पर पंजाब के 11 श्रद्धालुओं की हुई मौत और चार लोगों के लापता होने के मामले में मांट पुलिस ने ठेकेदार और नाविकों को गिरफ्तार किया है। उक्त मामले में वोट चलाने वालों के खिलाफ इस दुखद हादसे की रिपोर्ट

बोट हादसे का जिम्मेदार नाविक और ठेकेदार पुलिस गिरफ्त में।

दर्ज कराई गई थी। मांट पुलिस ने इस मामले में एक सूचना पर जुगल घाट के सामने पैरागलाइडिंग जहांगीरपुर खादर से नारायण ठेकेदार निवासी मिरताना व नाविक पप्पू उर्फ दाऊजी निवासी जुगल घाट वृंदावन को गिरफ्तार किया है।

चर्चा: हादसे के जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई हो

यूनिक समय, वृंदावन। यमुना नदी में स्टीमर पलटना और उससे उत्पन्न हृदय विदारक स्थिति को महज हादसा कहकर नहीं टाला जा सकता, इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। ये दुर्घटना तो है लेकिन इसके पीछे जो कारण हैं उन्हें दरकिनार कैसे करें? ओवरलोडिंग से स्टीमर अनियंत्रित हुआ, इस तथ्य को कैसे झुठलाया जा सकता है? बातें कोई कितनी भी बना ले, लेकिन सच सच ही रहता है और सच ये है कि ये हादसा दौलत की हवस के कारण हुआ, ऐसा नहीं कि यमुना नदी में ऐसा हादसा पहली बार हुआ है। पहले भी कई हादसे इस प्रकार के हुए हैं, लेकिन सबकी वजह एक ही रही, लोकल प्रशासकों की लापरवाही और नाविकों में दौलत की हवस, ये ओवरलोडिंग की मुख्य वजह है, इसके साथ ही अनट्रेंड चालक, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम न होना भी दुर्घटनाओं के मुख्य कारण हैं। खबर तो ये भी है कि तमाम नौका और जुगाड़ से बनाये गये स्टीमर बिना अनुमति के संचालित हैं, जिनमें संबंधित विभागों कि भागीदारी है, इसके अलावा रिवर पुलिस भी कम जिम्मेदार नहीं, मुझे अच्छे से याद है कि यमुना नदी में हाईकोर्ट इलाहबाद ने खासकर मथुरा क्षेत्र के लिए रिवर पुलिस की तैनाती के कई बार आदेश किये हैं, ताकि नदी के जल को प्रदूषित करने वालों पर निगरानी की जा सके, साथ ही अन्य सुरक्षा बिन्दुओं पर भी ध्यान रहे, लेकिन अफ़सोस है कि साल 2005 के बाद से रिवर पुलिस यदाकदा खास मौकों पर नजर आती है, बाकी उनकी तैनाती किस जगह है ये आला अफसर ही जानें, यदि रिवर पुलिस तैनात होती तो क्या ओवरलोडिंग होती? शायद नहीं, अब बात करें नाविकों की तो ऑटो, ई रिक्शा चालक और नाविकों का गठजोड़ इस समय टूरिज्म पर अपनी गहरी पैठ बना चुका है इन्हें किस महकमे का सर्वाधिक संरक्षण है, ये बताने की जरूरत नहीं।

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

श्री राम कथा के शुभारंभ से एक दिन पहले अचानक जमीन पर आ गिरे पत्थर

ढाई साल में ही सड़क पर गिर गए गेट के पत्थर

कार्यदाई संस्था क्षेत्र पंचायत ने गो ग्राम परखम में बनवाया था पत्थर का गेट

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। कई लाख रुपये की धनराशि से बना पत्थर का गेट ढाई साल में ही दरक गया। श्री राम कथा शुभारंभ से पहले ही गेट के कई पत्थर धरती पर आकर टूट गए। पत्थर दरकने की घटना ऐसे समय हुई, जब वहां से कोई नहीं निकल रहा था, अन्यथा हादसा हो सकता था।

कार्यदाई संस्था क्षेत्र पंचायत ने कई लाख रुपये की धनराशि से गो ग्राम परखम के प्रवेश मार्ग पर पत्थर का गेट बनवाया था। परखम–झुड़ावई मार्ग के मध्य नहर के समीप बने गेट पर नक्काशी भी उकेरी गई थी। गेट का लोकार्पण 23 नवंबर 2023 को विधायक पूरन प्रकाश और तत्कालीन बीडीओ ऋषिपाल ने किया था। गेट के नीचे लगाए गए काले पत्थर पर यह जानकारी दर्ज है।

गो ग्राम परखम में बनाए गए स्मृति द्वार के पिलर के समीप टूटे पड़े पत्थर।

गो ग्राम परखम में शुक्रवार से श्री राम कथा का आयोजन शुरू हुआ है, लेकिन गुरुवार की सुबह गेट का एक पत्थर नीचे आ गिरा।

दीनदयाल उपाध्याय कामधेनु गोशाला एवं अनुसंधान केंद्र के नाम से बने इस स्मृति द्वार के कई पत्थर दोपहर में सड़क पर आ गिरे और टूट गए।

इस दौरान वातावरण सुनसान था, अन्यथा लोगों के आते–जाते समय कोई हादसा हो सकता था।

शिकायत भी की ध्यान नहीं दिया

गेट निर्माण में बरती गई लापरवाही और अनदेखी को लेकर गोशाला के कई लोगों ने ठेकेदार और जूनियर इंजीनियर को टोका भी, लेकिन किसी जिम्मेदार ने ध्यान नहीं दिया। केवल ढाई साल में ही कई लाख की धनराशि से बने गेट के पत्थर दरकना काम की गुणवत्ता पर प्रश्न चिन्ह खड़े करता है। अब जिम्मेदार इस मामले में बोलने से बच रहे हैं। जिम्मेदारों का दावा है कि गेट के लिए धनराशि विधायक पूरन प्रकाश की विधायक निधि से जारी की गई है।

सूखी ईंटों में चिपकाए पत्थर

नक्काशीदार गेट के कई पत्थर ईंटों में ऐसे ही चिपकाए गए हैं, ईंटों में सीमेंट नहीं होने से पत्थर चिपके भी नहीं हैं। कुछ पत्थरों में सीमेंट जरूर लगा दिखा है, बाकी पत्थर के नीचे लगी ईंट में सीमेंट ही नजर नहीं आ रहा है। पत्थर दरकने के बाद बिना सीमेंट की ईंट चमक रही हैं। इससे कार्य की गुणवत्ता पर भी प्रश्न चिन्ह उठ रहे हैं।

श्री हरिदास पीठ मंदिर में मनाया रूपानंद महाराज का स्मृति महोत्सव

यूनिक समय, वृन्दावन। श्री हरिदास बिहारी महाराज के अनन्यभक्त अमर शहीद गोस्वामी रूपानन्द महाराज स्मृति महोत्सव मनाया गया।

अमर शहीद गोस्वामी रूपानन्द महाराज के वंशज आचार्य विप्रांशबल्लभ गोस्वामी ने प्राचीन श्री हरिदासपीठ मंदिर में श्री हरिदास बिहारी फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित गोस्वामी श्रीरूपानन्द महाराज के 257 वें स्मृति महोत्सव के अवसर पर श्रीबाँकेबिहारीजी महाराज की वृन्दावन वापसी लीला का वर्णन किया।

257 वें स्मृति महोत्सव के शुभारम्भ में मुख्यअतिथि वरिष्ठ समाजसेवी राजकुमार खंडेलवाल, विशिष्टअतिथि बांकेबिहारी मंदिर के सेवायत डॉ. मधुर गोस्वामी एवं कार्यक्रम अध्यक्ष आशुकवि आचार्य प्रेमबल्लभ गोस्वामी ने दीप प्रज्वलन किया। इस मौके पर ट्रस्ट संस्थापक इतिहासकार आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी, सचिव विजयलक्ष्मी गोस्वामी, गुंजन, निवेदिता, प्रवर्तिका, लक्ष्मण सिंह आदि उपस्थित थे। संचालन फाउंडेशन महासचिव रविंद्र तंवर ने किया। आचार्य नवलबिहारी गोस्वामी ने आभार जताया।

बिना मान्यता के चल रहे निजी स्कूल और कोचिंग सेंटरों पर सख्ती

18 अप्रैल तक विशेष अभियान चलेगा

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने निजी स्कूलों और कोचिंग सेंटरों के खिलाफ सख्त कदम उठाया है। 18 अप्रैल तक विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। यह अभियान अमान्य संस्थानों और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर केंद्रित हैं।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने आदेश जारी किया है, क्योंकि बिना मान्यता वाले स्कूलों का संचालन और मान्यता प्राप्त स्कूलों के शिक्षकों द्वारा निजी कोचिंग चलाना शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 तथा अन्य विनियमों का उल्लंघन है। लगातार शिकायतें मिलने के बाद यह कार्रवाई आवश्यक हो गई, जिसमें आर्थिक दंड और कानूनी सजा का प्रावधान है।

बिना मान्यता वाले निजी स्कूल, जिनका संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित है। नियम विरुद्ध निजी कोचिंग सेंटर्स, खासकर जहां सरकारी या मान्यता प्राप्त स्कूलों के शिक्षक पढ़ाते हैं। सभी जिलों में डीआईओएस, बीएसए और बीईओ द्वारा निरीक्षण होगा। यह कदम छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करेगा, लेकिन अवैध संस्थानों पर कार्रवाई से अभिभावकों को विकल्प तलाशने पड़ सकते हैं। लंबे समय में मान्यता प्राप्त संस्थानों की मजबूती से छात्रों का भविष्य सुरक्षित होगा, हालांकि अल्पकालिक व्यवधान संभव है।

जिले में चल रहे हैं फर्जी स्कूल

यूनिक समय, मथुरा। जिले में करीब एक दर्जन स्कूल–कालेज बिना मान्यता के संचालित हो रहे हैं। हैरानी की बात तो यह है कि शिक्षा विभाग के अधिकारियों को इन स्कूल–कालेजों की ओर कोई ध्यान नहीं है। इन स्कूलों में बच्चों का भविष्य खराब किया जा रहा है। जानकारों की मानें तो इन स्कूलों की मान्यता कक्षा आठवीं तक है और पढ़ाई हो रही है इंटर तक के बच्चों की। इन स्कूलों के संचालकों ने मान्यता प्राप्त कालेजों के प्रबंध तंत्र से साठगांठ कर रखी है।

मां वैष्णो देवी मित्र मंडल का त्रिवार्षिक चुनाव 15 अप्रैल को

अमित भारद्वाज व राहुल शर्मा बने निर्वाचन अधिकारी

यूनिक समय, मथुरा। मां वैष्णो देवी मित्र मंडल के त्रिवार्षिक चुनाव की तैयारी प्रारम्भ हो गई है। मंडल की हुई बैठक में वार्षिक आय व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया। पंडित अमित भारद्वाज व राहुल शर्मा को निर्वाचन अधिकारी बनाया गया। सह निर्वाचन अधिकारी अंकुर बीएसए, तरुण चौंबाल बनाए। चुनाव अधिकारी ने बताया कि सात पदों के लिए 13 अप्रैल को पूर्वाह्न 11 बजे से दोपहर दो बजे तक नामांकन फार्म भरे जाएंगे। अपराह्न तीन बजे से शाम पांच बजे के मध्य नाम वापस लिए जा सकते हैं। 15 अप्रैल को पूर्वाह्न 11 बजे से दो बजे तक मतदान होगा । अपराह्न तीन बजे से वोटों की गिनती होगी। फिर निर्वाचित पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेंगे।

डॉ. कमल कौशिक ने महात्मा ज्योतिराव फुले के दर्शन पर प्राप्त की पीएचडी की उपाधि

यूनिक समय, मथुरा। डॉ. कमल कौशिक डीलिट लेखक ने महात्मा ज्योतिराव फुले के दर्शन पर पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले–समानता, शिक्षा और सामाजिक न्याय के अग्रदूत थे।

गोवर्धन विद्यापीठ का छात्र बना वैज्ञानिक

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन विद्यापीठ के विद्यार्थी लेखराज ने अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत के बल पर देश की चार प्रतिष्ठित संस्थाओं में चयन प्राप्त कर विद्यालय, क्षेत्र व जनपद का नाम गौरवान्वित किया है। गोवर्धन विद्यापीठ के संस्थापक डॉ. राजेश गौतम ने बताया कि लेखराज ने इंटरमीडिएट तक की शिक्षा गोवर्धन विद्यापीठ से प्राप्त की और विद्यार्थी जीवन से ही वे परिश्रमी, अनुशासित एवं मेधावी रहे हैं। विद्यार्थी लेखराज का चयन मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत) एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन में वैज्ञानिक पद पर हुई है। संस्थापक डॉ. राजेश गौतम ने लेखराज को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी।

बिल भुगतान के बाद भी कट जाती है स्मार्ट मीटर से बिजली

लोगों के लिए सिर दर्द बना स्मार्ट मीटर

यूनिक समय, मथुरा। स्मार्ट मीटर से बिजली का उपयोग करने वाले उपभोक्ता राजेश गौतम निवासी गोविंद नगर ने बताया कि उन्होंने छह मार्च को अपने बिजली बिल के 500 रुपये देय तिथि से पहले जमा किये थे, देय तिथि 20 मार्च थी। इसके बाद चार अप्रैल को न तो उनके पास विभाग की ओर से कोई एसएमएस आया और न कोई धनराशि बताई गई। अचानक दोपहर के समय करीब 2 बजे स्मार्ट मीटर से घर की बिजली सप्लाई काट दी गई। मीटर में बिजली आ रही थी, लेकिन घर में नहीं पहुंच रही थी। उस दिन वह घर से बाहर गए हुए थे। बच्चों ने उनको फोन करके बताया तो वह परेशान हो गए। उन्होंने तुरंत ऑन लाइन बिल में एक हजार रुपये जमा कराए। पैसे जमा कराए जाने के बाद भी कई घंटे बाद बिजली की आपूर्ति सुचारू हुई। पुराने मीटरों में इस तरह की परेशानी नहीं थी, लेकिन अब स्मार्ट मीटरों से लोगों की दिक्कतें बढ़ रही हैं। वहीं इनके आसपास रहने वाले लोगों ने बताया कि इस तरह की परेशानी ज्यादातर लोगों के सामने आ रही है, लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

विद्युत विभाग उपभोक्ताओं को नहीं भेजता बिल के एसएमएस

बिना सूचना दिए गुल कर दी जाती है घर की बिजली

होम्योपैथी सुरक्षित और समग्र उपचार को बढ़ावा देती है

होम्योपैथी चिकित्सा एवं जांच शिविर में रोगियों को दवा देते डॉक्टर्स।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन शोध संस्थान में होम्योपैथी ट्रीटमेंट एण्ड रिसर्च सेन्टर के संयुक्त तत्वावधान में सैमुएल हैनीमैन के 271 वें जन्मोत्सव एवं विश्व होम्योपैथी दिवस पर निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा एवं जाँच शिविर लगाया। अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक ने कहा कि वर्तमान समय में ऐलोपैथिक दवाईयों के दुष्प्रभाव को देखते हुए होम्योपैथी एक अच्छा एवं सुरक्षित विकल्प है।

पार्षद राधाकृष्ण पाठक ने बताया कि सैमुएल हैनीमैन ने होम्योपैथी पद्धति की खोज कर मानवता पर बहुत उपकार किया है। जिला सत्र न्यायालय के विशेष न्यायाधीश एलबी जायसवाल ने कहा कि होम्योपैथी सुरक्षित, प्राकृतिक और समग्र उपचार को बढ़ावा देती है। जिला होम्योपैथी अधिकारी डॉ. एमपी सिंह ने बताया कि यह एक ऐसी चिकित्सा पद्धति है जो शरीर की प्राकृतिक शक्ति को बढ़ाकर रोगों से लड़ने में मदद करती है। होमगार्ड के जिला कमांडेंट डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह, राजस्व विभाग के निबंधक अजय त्रिपाठी, कोतवाली प्रभारी संजय पाण्डेय ने विचार प्रस्तुत किये। डॉ. बीपी शर्मा, डॉ. बरखा अग्रवाल, डॉ. शिख्य व्यास एवं डॉ. राजा कविराज ने मरीजों का निःशुल्क परीक्षण कर उपचार किया। संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव द्विवेदी ने अतिथियों का स्वागत किया।

संचालन केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. प्रमोद सिंह एमडी ने किया।

"बोलती तस्वीर"

सड़क पर उल्टा योगासन!

शहर की सड़कों पर यातायात व्यवस्था को चुनौती देते इस 'योगी' महाशय ने ऐसा संतुलन दिखाया कि राहगीर सोच में पड़ गए। भीड़भाड़ और वाहनों के बीच यह अनोखा प्रदर्शन न केवल फिटनेस का संदेश देता है बल्कि सन्त साधना भी करता है।

फोटो क्लिक–यूनिक समय

बेमौसम बारिश और कर्ज के बोझ ने ली मासूमों के पिता की जान

उमराया गांव में पसरा मातम

प्रशासन से आर्थिक मुआवजे की मांग

परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। छाता तहसील के गांव उमराया में कर्ज और बेमौसम बारिश से बर्बाद हुई फसल को देख हताश होकर किसान योगेश ने खेत पर विषाक्त पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। मृतक अपने पीछे दो छोटे बच्चे छोड़ गया है। इस घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

जानकारी के अनुसार, मृतक किसान योगेश (25) ने इस सीजन में बैंक और साहूकारों से कर्ज लेकर बड़े अरमानों के साथ फसल बोई थी। किसान को उम्मीद थी कि इस बार अच्छी पैदावार होगी जिससे वह अपना पुराना कर्ज उतार सकेगा। लेकिन बीते दिनों हुई बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने खेतों में खड़ी लहलहाती फसल को पूरी तरह तबाह कर दिया।

परिजनों ने बताया कि फसल की बर्बादी देख योगेश पिछले कई दिनों से गहरे मानसिक तनाव में था, उसने अपने मकान जो जर्जर हालत में खड़ा हुआ उसे तुड़वा दिया था कि फसल आने बाद नया बनाऊंगा । फसल अच्छी न होने की वजह से हताश होकर उसने यह खौफनाक कदम उठा लिया। योगेश की शादी 2016 में चंद्रवती के साथ में हुई थी। वह बहुत ही मेहनती और सरल स्वभाव का व्यक्ति था। उसके पिता की मौत लगभग 10 वर्ष पहले हो चुकी है, उसकी मां का नाम रेखा, भाई का नाम घनश्याम, लड़की का नाम इच्छा और लड़का कांति है लेकिन ओलावृष्टि के कारण नष्ट हुई फसल खेती में हुए घाटे और ऊपर से कर्ज के दबाव ने उसे तोड़ कर रख दिया। ग्रामीणों ने शासन–प्रशासन से पीड़ित परिवार के लिए तत्काल आर्थिक सहायता की मांग की है। हालांकि किसान की मौत पर प्रशासन की ओर से कोई अधिकृत बयान नहीं आया है।

किशोरी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे की बसंत बिहार कालोनी में एक किशोरी ने फांसा लगा कर आत्महत्या कर रली। पुलिस ने बताया कि बंसत बिहार कालोनी में रहने वाले कमल शर्मा की पुत्री सुमिती शर्मा ने घर के अंदर फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। परिवार के लोगों को इस बात का पता लगने पर हड़कंप मच गया। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रालोद पीड़ित किसानों की सूची भेजेगा जयंत चौधरी को

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश महासचिव रामधन गुर्जर ओलावृष्टि से बर्बाद हुए किसानों की फसल को देखने पहुंचे। उन्होंने बताया कि बे मौसम बरसात होने से एवं आंधी तूफान ओलावृष्टि के कारण किसानों की पकी फसलों में भारी नुकसान हुआ है। शेरगढ़ क्षेत्र के गांव जटवारी हुसैनी, बड़ा ,रामपुर, शहजादपुर ,मझौई, उझानी वसई, खडवाई, खुर्सी, अस्तौली गरीबी में पीरपुर, ओवा, बेहटा, धीमरी, गुलालपुर, बाबूगढ़ आदि गांव का भ्रमण का फसल में हुए भारी नुकसान को देखा।

किसानों से वार्ता कर उन्हें सरकार से उचित मुआवजा दिलाये जाने का आश्वासन भी दिया उन्होंने बताया की वर्षा से बर्बाद हुई फसल की लिस्ट बनाकर राष्ट्रीय महासचिव जयंत चौधरी को भेजी जा रही है। इस मौके पर धर्म सिंह, सुंदर, ओमी, टीटू, मेघराज तथा मंगतू आदि उपस्थित थे।

शेरगढ़ क्षेत्र में बारिश से बर्बाद हुई फसल को देखते रालोद के प्रदेश महासचिव।

बेटियों को समझने और समझाने में माताएं निभाएं मुख्य जिम्मेदारी

महिलाओं को सुरक्षा की जिम्मेदारी समझाते पुलिस अधिकारी।

संवाददाता

यूनिक समय, बाजना (मथुरा)। 'मिशन शक्ति' अभियान के अंतर्गत कस्बा स्थित सूर्यवंशी चौपाल पर विशेष जागरूकता गोष्ठी हुई। नौहझील पुलिस के अधिकारियों ने क्षेत्रीय महिलाओं व बालिकाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति सजग किया।

वक्ताओं ने कहा कि नारी सुरक्षा और सम्मान केवल पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। महिलाओं से आह्वान किया गया कि वे किसी भी विपरीत परिस्थिति में घबराएं नहीं और सरकार द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबरों का निर्भीक होकर उपयोग करें। पुलिस टीम ने 1090 (वीमेन पावर लाइन), 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन) और 181 (महिला हेल्पलाइन) की कार्यप्रणाली समझाई और बताया कि इन पर शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी जाती है।

इस अवसर पर वरिष्ठ उपनिरीक्षक संजय सिंह, उपनिरीक्षक रूपचंद, बाजना पुलिस चौकी प्रभारी, उपनिरीक्षक ज्योति, हेड कॉन्स्टेबल पुनीत कुमार, कॉन्स्टेबल तेजेंद्र, कॉन्स्टेबल रूबी, कॉन्स्टेबल निखिलेश, पूर्व चेयरमैन देवीराम, गीता देवी, वीरपाल, महेंद्र, दीपक कुमार, गोपाल सूर्यवंशी, रवि कुमार, विपिन आदि उपस्थित थे। अंत में सभी ने नारी सम्मान और सुरक्षा की शपथ ली।

बाजना में पुलिस टीम ने महिलाओं को हेल्पलाइन नंबरों से समझाया

भाकियू अराजनैतिक के युवा जिलाध्यक्ष बने सचिन चौधरी

भाकियू अराजनैतिक के युवा जिलाध्यक्ष सचिन चौधरी कार्यकर्ताओं के साथ।

यूनिक समय, बाजना (मथुरा)। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी डिगम्बर सिंह ने लक्ष्मीनगर मांट निवासी सचिन चौधरी को मथुरा का युवा जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। युवा जिलाध्यक्ष बनने के बाद लखनऊसे लौटे सचिन चौधरी का यूनियन के कार्यकर्ताओं और किसानों ने स्वागत किया है । मंडल अध्यक्ष राजकुमार तोमर, जिला मीडिया प्रभारी शिवकुमार तोमर, जिलाध्यक्ष योगेश तोमर, मंडल महासचिव हरपाल चौधरी, अवधेश रावत, जिला संरक्षक उदयवीर सरपंच, जिला कोषाध्यक्ष लाल सिंह तोमर, सत्तो चौधरी तथा छोटू चौधरी आदि ने हर्ष व्यक्त किया।

बेसिक शिक्षा कर्मियों के लिए बड़ी राहत

ग्रेच्युटी की सीमा अब 25 लाख हुई

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। जिले में बेसिक शिक्षा से जुड़े शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए राहत भरी खबर है। लंबे समय से बढ़ते महंगाई के दबाव और सेवा के बाद आर्थिक सुरक्षा को लेकर उठ रही मांगों के बीच अब सेवानिवृत्ति लाभ में बढ़ोतरी का रास्ता साफ हो गया है।

नए प्रावधानों के तहत शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति या मृत्यु की स्थिति में मिलने वाली ग्रेच्युटी की सीमा पहले 20 लाख के मुकाबले अब 25 लाख तक कर दी गई है। इससे उन कर्मचारियों को सीधा फायदा मिलेगा जिन्होंने हाल के वर्षों में

सेवा पूरी की है या आने वाले समय में सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

जिले में बेसिक शिक्षा विभाग से जुड़े हजारों कर्मचारियों के बीच इस बदलाव को लेकर सकारात्मक माहौल है। कर्मचारियों का मानना है कि महंगाई के लगातार बढ़ते स्तर के बीच यह निर्णय उनके भविष्य को अधिक सुरक्षित बनाएगा। खासकर वे कर्मचारी जो लंबे समय से सेवा में हैं, उनके लिए यह आर्थिक मजबूती का बड़ा सहारा साबित होगा।

सेवानिवृत्ति पर बढ़ेगा लाभ

स्थानीय स्तर पर विभागीय हलकों में भी इस बदलाव को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। संबंधित कार्यालयों में अभिलेखों के अद्यतन और पात्र कर्मचारियों की सूची तैयार करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है, ताकि किसी भी पात्र व्यक्ति को लाभ से वंचित न रहना पड़े।

जिले के कई विद्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों के बीच इस खबर के बाद उत्साह देखा जा रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि इससे सेवा के बाद की चिंताएं कुछ हद तक कम होंगी और परिवार को भी आर्थिक सुरक्षा मिलेगी। यह बदलाव केवल आर्थिक राहत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कर्मचारियों के मनोबल को भी मजबूत करने वाला कदम माना जा रहा है।

कथा श्रवण से जागृत होता है मन, मिलते हैं आराध्य के दर्शन

गो ग्राम परखम में आयोजित श्री राम कथा श्रवण करते श्रद्धालु।

संवाददाता

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। गो ग्राम परखम में आयोजित श्री राम कथा में आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि ने ब्रज का महत्व बताया। कहा कि भगवान भाव के भूखे हैं। सब कुछ परमात्मा का है। भाव से भगवान से जुड़ा जाए तो वह मिलते हैं। कथा श्रवण करने से मन में जागृति आती है, ज्योति जागृत हो सकती है। आराध्य का दर्शन भी कर सकते हैं।

श्री राम कथा के दूसरे दिन आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी ने श्रद्धालुओं को श्री राम कथा का वर्णन कर सुनाते हुए उक्त समझाई। उन्होंने कहा कि राम कथा वह बूटी है, जिसको लग जाए तो पीछा नहीं छूटता है। इस संसार में साधु जैसा कोई नहीं है, लेकिन श्रद्धालु जैसा भी कोई नहीं है।

ब्रज के महत्व की व्याख्या करते हुए आचार्य ने कहा कि बृजवासी और ठाकुर में कोई अंतर नहीं है। बृजवासी ही ठाकुर हैं और ठाकुर ही बृजवासी हैं। उन्होंने कहा कि राम ही रामायण है, रामायण ही राम है। भागवत में श्री कृष्ण ने कहा है कि भागवत ही कृष्ण है, कृष्ण ही भागवत है।

गो माता के महत्व की व्याख्या करते हुए आचार्य ने कहा कि गाय का मूत्र, गोबर, घी, दूध ही अमूल नहीं है, बल्कि गाय का रोम रोम गुण से भरा हुआ है। पवित्र नदियों का नाम लेने से भी प्राणी को मोक्ष मिलता है।

ब्रज और हरिद्वार की व्याख्या करते हुए आचार्य ने कहा कि वृंदावन वैराग्य की धरती है, लेकिन इसे ज्ञान हरिद्वार में मिला, हरिद्वार ज्ञान की नगरी है। उन्होंने कथा में नारदीय कथा का महत्व बताया और इसे सबसे अधिक प्रभावशाली भी माना। उन्होंने कहा कि राम कथा को सुनकर जिसका पेट भर जाए, उससे बड़ा कोई तृप्त पुरुष इस संसार में नहीं है।

कथा का शुभारंभ व्यास पीठ पूजन के साथ हुआ। परीक्षित सुरेश कौशिक, साधना कौशिक, डॉ. संजय शर्मा, अभिषेक राठी, देवेंद्र प्रताप, उद्योगपति सलिल, वेदपाल, सतीश अग्रवाल, प्रमोद शर्मा, डीएम संभल राजेंद्र पेंसिया, अंगूरी देवी गुप्ता, अजय गुप्ता आदि ने पूजन किया।

कथा में सतीश अवाना, शंकर सेठ, प्रचारक आर्येंद्र, ऋषिपाल सिंह, शंकर सिंह, अनिल कौशिक, सुनील कौशल, रजनीश सिंह, अजीत महापात्रा, सूर्य प्रकाश, निदेशक सोनपाल, मनोज, राम नरेश रावत, रविंद्र चौधरी तथा अनूप चौधरी आदि श्रद्धालु मौजूद थे।

युवक का शव फंदे पर लटका मिला, नहीं हो सकी शिनाख्त

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां के गांव जाब में एक खेत में बने कमरे में एक अज्ञात युवक का शव फंदे पर लटका मिलने से सनसनी फैल गई। युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी है।

जाब निवासी विक्रम सिंह ने पुलिस को सूचना दी कि बठैन रोड स्थित जंगल में खेत पर बने एक कमरे में एक 40 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव फंदे पर लटका मिला।

मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि कमरे के अंदर लगी कुंडी में साफी के फंदे पर लटका एक अज्ञात व्यक्ति का शव था। पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस के अनुसार मृतक की शिनाक्त के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस को प्रथम दृष्टा मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है।

एक माह का प्रशिक्षण पूरा करने वालों को प्रमाण पत्र वितरित

एक छात्रा का प्रमाण पत्र देते अतिथि।

यूनिक समय, मथुरा। किशोरी रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना अंतर्गत छात्र पुलिस अनुभवनात्मक कार्यक्रम एसपीईएल अंतर्गत एक माह का प्रशिक्षण पूरा करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र दिए।

गौरतलब है कि जिले के ?बीएसए डिग्री कॉलेज, केआर पीजी कॉलेज, केआर गर्ल्स पीजी कॉलेज, आरसीए पीजी कॉलेज, आईओपी कॉलेज, वृंदावन एवं राजकीय डिग्री कॉलेज, मांट के 50 छात्र–छात्राओं ने विभिन्न कोतवाली एवं थानों में एक माह का प्रशिक्षण पूर्ण किया। जिला नोडल अधिकारी पुलिस (एसपीईएल) सीओ सिटी आसन चौधरी थी। मुख्य अतिथि पार्षद हनुमान प्रसाद थे। अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रवीण कुमार अग्रवाल ने की। संचालन जिला नोडल अधिकारी एसपीईएल राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. अशोक कुमार कौशिक ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नवीन अग्रवाल ने आभार जताया। कार्यक्रम में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रतिमा, डॉ. हेमेंद्र कुमार, डॉ. राजेश सारस्वत, डॉ. रामदत्त मिश्रा, डॉ. अजय उपाध्याय, लेफ्टिनेंट डॉ. कपिल कौशिक तथा प्रवेश कुमार उपस्थित थे।

सर्वश्रेष्ठ जागरूकता कार्यक्रमों के लिए केडी डेंटल कॉलेज सम्मानित

संस्थान के परास्नातक विद्यार्थियों ने किया पोस्टर प्रजेंटेशन

यूनिक समय, मथुरा। मुरादाबाद की तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी में इमर्जिंग ट्रेंड्स इन कंटेंपेरेरी डेंटिस्ट्री विषय पर आयोजित दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में केडी डेंटल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल मथुरा को ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ जागरूकता कार्यक्रमों तथा सेवाभाव के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान कॉलेज की डीन और प्राचार्या डॉ. नवप्रीत कौर ने ग्रहण किया। इस अवसर पर डॉ. सोनल शुभांगी भी उपस्थित थीं। दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में 200 से अधिक रिसर्च पेपर और 150 पोस्टर प्रस्तुत किए गए। इस वैश्विक मंच पर संस्थान के परास्नातक छात्र–छात्राओं डॉ. कार्तिकेय, डॉ. भारती, डॉ. निहारिका ने पोस्टर प्रजेंटेशन के माध्यम से आधुनिकतम दंत चिकित्सा निदान पर प्रकाश डाला।

दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में मलेशिया के हेल्थ मिनिस्ट्री के सुल्तान अब्दुल हलीम अस्पताल में चीफ कंसल्टेंट एण्ड जानी मानी ओरल मेडिसिन की एक्सपर्ट डॉ. नोराटिखा बिन्ती अवांग हसीम ने नॉन हीलिंग अल्सर पर अपने विचार साझा किए।

इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में अतिथियों के बीच सम्मान ग्रहण करती डीन और प्राचार्या डॉ. नवप्रीत कौर।

डॉ. नोराटिखा ने ट्रॉमैटिक, इंफेक्शियस और प्री कैंसरस अल्सर को प्रमुख बताया। उन्होंने बताया कि सही निदान के लिए बॉयोप्सी, क्लीनिकल परीक्षण और इमेजिंग तकनीकों का उपयोग किया जाना उपयुक्त है। उन्होंने उपचार में दवाइयों के साथ–साथ आवश्यक होने पर सर्जिकल हस्तक्षेप की भूमिका को उचित बताते हुए जांच और जागरूकता को सबसे प्रभावी बचाव उपाय बताया। आंध्र प्रदेश से आए विष्णु डेंटल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एवी रमा राजू ने आधुनिक दंत चिकित्सा एवं भविष्य की डेंटिस्ट्री के परिवर्तन पर एक प्रभावशाली व्याख्यान दिया। डॉ. राम राजू ने बताया कि आधुनिक तकनीकों जैसे डिजिटल डेंटिस्ट्री, थ्रीडी इमेजिंग और लेजर तकनीक के उपयोग से दंत चिकित्सा में क्रांतिकारी बदलाव आया है। उन्होंने भविष्य की डेंटिस्ट्री को अधिक सटीक, तेज और मरीज–केंद्रित बताते हुए छात्र–छात्राओं को नई तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

केडी डेंटल कॉलेज मथुरा के डॉ. कार्तिकेय, डॉ. भारती, डॉ. निहारिका ने पोस्टर प्रजेंटेशन के माध्यम से दंत चिकित्सा प्रौद्योगिकी में हुई प्रगति को रेखांकित किया। कॉन्फ्रेंस के समापन अवसर पर केडी डेंटल कॉलेज, मथुरा की डीन और प्राचार्या डॉ. नवप्रीत कौर समेत 20 डेंटल शिक्षाविदों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्यों और नवाचारों के लिए विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया।

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी में मिले सम्मान पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्राचार्या डॉ. नवप्रीत कौर ने सभी का आभार माना और कहा कि यह केडी डेंटल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में किए जा रहे सेवाभावी कार्यों और जन जागरूकता कार्यक्रमों का सुफल है। आरके एज्यूकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, प्रबंध निदेशक मनोज अग्रवाल, केडी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी आदि ने इसे संस्थान के लिए गौरवशाली अध्याय बताया। संस्थान के विभागाध्याक्षों और प्राध्यापकों डॉ. विनय मोहन, डॉ. सोनल गुप्ता, डॉ. अजय नागपाल, डॉ. शैलेन्द्र सिंह चौहान, डॉ. सिद्धार्थ सिसोदिया, डॉ. अनुज गौड़, डॉ. मनीष भल्ला, डॉ. विवेक शर्मा, डॉ. राजीव, डॉ. जूही, प्रशासनिक अधिकारी नीरज छापड़िया आदि ने भी इसे गौरवशाली पल बताया।

स्टूडेंट स्कॉलरशिप कार्यक्रम में 29 मेधावी छात्र हुए सम्मानित

स्टूडेंट स्कॉलरशिप कार्यक्रम में छात्रा को सम्मानित करते अतिथि।

यूनिक समय, मथुरा। कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के अंतर्गत डीएटीआर महुवन स्टूडेंट स्कॉलरशिप कार्यक्रम आयोजन किया गया। संचालन क्यूब रूट्स फाउंडेशन ने किया। इसमें शिक्षा के माध्यम से सामुदायिक विकास को बढ़ावा देने की मजबूत पहल देखने को मिली।

इस अवसर पर जिले के 15 सरकारी विद्यालयों से चयनित 29 मेधावी विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के आधार पर छात्रवृत्ति प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली छात्रों को प्रोत्साहन देना और उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना रहा।

मुख्य अतिथि आईपीएस अधिकारी जयबिंद कुमार गुप्ता, एआरटीओ संदीप चौधरी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक रवींद्र सिंह उपस्थित थे।

इस मौके पर डीएटीआर एसपीवी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर अविनाश त्यागी, महुवन टोल प्लाजा के प्रबंधक आकिल शर्मा, मेंटिनेंस मैनेजमेंट के संस्कार शर्मा, सेफ्टी मैनेजर रूप कुमार आदि उपस्थित थे।

तीन किलो 200 ग्राम गांजा बरामद, आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन पुलिस ने एक स्कूटी सवार युवक को गांजा ले जातेगिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से तीन किलो 200 ग्राम गांजा बरामद किया है। वृंदावन पुलिस ने रंगजी का नगला जाने वाले मार्ग पर बने सुलभ शौचालय के समीप मंदिर के सामने चेकिंग के दौरान एक स्कूटी सवार को रोक लिया। पुलिस को तलाशी के दौरान उसकी स्कूटी से तीन किलो 200 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस ने इस मामले में अभियुक्त पवन निवासी चार संप्रदाय के समीप गौरा नगर कालोनी वृंदावन को एनडीपीसी एक्ट में गिरफ्तार किया है।

चाय की चुस्की के बिना जिनकी नहीं खुलती नींद, हो जाएं सावधान!

खाली पेट चाय पीने से हो सकते हैं ये नुकसान

यूनिक समय, मथुरा। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि सुबह खाली पेट चाय पीने की आपकी आदत आपके स्वास्थ्य के लिए काफी नुकसानदेह होती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, जो लोग सुबह उठकर खाली पेट चाय का सेवन करते हैं उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता हैं।

हमारे देश में चाय पीने के शौकीन लोगों की कोई कमी नहीं है। इनमें से तो ज्यादातर ऐसे हैं जिनकी सुबह चाय की चुस्की के बिना नींद नहीं खुलती है। इन लोगों को सुबह उठते ही चाय चाहिए होती है। अगर आप भी इन्हीं लोगों में से हैं तो आपको यह जानकर हैरानी होगी कि सुबह खाली पेट चाय पीने की आपकी आदत आपके स्वास्थ्य के

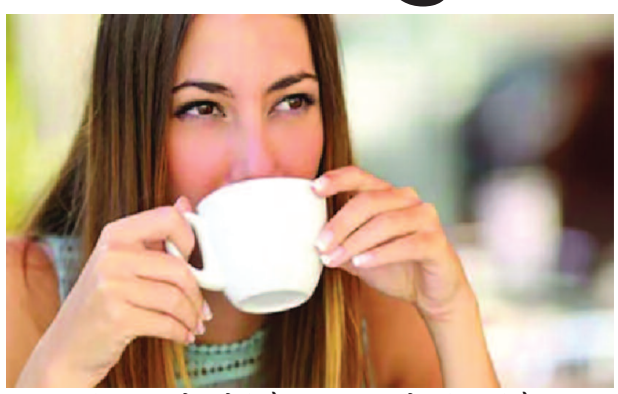

लिए काफी नुकसानदेह होती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, जो लोग सुबह उठकर खाली पेट चाय का सेवन करते हैं उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता हैं। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि सुबह खाली पेट चाय का सेवन करने से आपको क्या–क्या समस्याएं झेलनी पड़ती हैं।

बढ़ती है एसिडिटी की समस्या

सुबह खाली पेट चाय पीने से लोगों में एसिडिटी की समस्या होने की संभावना बढ़ जाती है। दरअसल सुबह उठते ही चाय का सेवन करने से घंटो तक भूख नहीं लगती है, इसकी वजह से एसिडिटी होने लगती है। इसके अलावा बिना कुछ खाए चाय पीने से पेट में गैस भी बन जाती है। रोजाना खाली पेट चाय पीने से पेट के अंदर की अंदरुनी सतह कमजोर होने लगती है और पाचन तंत्र ठीक से काम नहीं कर पाता है। पाचन तंत्र के ठीक से काम नहीं कर पाने की वजह से एसिडिटी की समस्या गंभीर हो सकती है और अल्सर जैसी बीमारी का कारण बन सकती है।

जो लोग खाली पेट चाय का सेवन करते हैं उन्हें रात को सोने में समस्या होने लगती है। दरअसल, खाली पेट चाय का सेवन करने से शरीर में कैफीन की मात्रा बढ़ जाती है, जिसकी वजह से नींद नहीं आने की समस्या होने लगती है। इसके अलावा चिड़चिड़ापन, तनाव जैसी दिक्कतें भी बढ़ जाती हैं।

इलायची के सेवन के जबरदस्त फायदे, ब्लड प्रेशर को रखती है नियंत्रित

यूनिक समय, मथुरा। जिन लोगों को हाई बीपी की समस्या है उनके लिए भी इलायची खाना फायदेमंद होता है। रोजाना इलायची खाने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है। दरअसल, इलायची में मौजूद पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे तत्व ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में मददगार होते हैं। खीर से लेकर ग्रेवी वाली सब्ज़ी तक का स्वाद और खुशबू बढ़ाने के लिए इलायची का इस्तेमाल किया जाता है। इलायची में कार्बोहाइड्रेट, डायट्री फाइबर, कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम, आयरन और फॉस्फोरस होता है। इलायची कब्ज के साथ ही कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से राहत दिलाने में मददगार है।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल करती है: जिन लोगों को हाई बीपी की समस्या है उनके लिए भी इलायची खाना फायदेमंद होता है। रोजाना इलायची खाने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है। दरअसल, इलायची में मौजूद पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे तत्व ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में मददगार होते हैं।

भूख बढ़ाती है: यदि आपको भी भूख नहीं लगती या खाना खाने का मन नहीं करता है, तो इलायची खाना शुरू कर दें। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, इलायची पाचन को ठीक रखने के साथ ही शरीर के मेटाबोलिज्म भी ठीक तरह से काम करने में मदद करता है जिससे भूख बढ़ती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, जिन लोगों को अक्सर मुंह से दुर्गंध आने की समस्या होती है उन्हें हरी इलायची का रोजाना सेवन करना चाहिए। कुछ भी खाने के बाद यदि आपको महसूस होता है कि मुंह से बदबू आ रही है तो तुरंत एक इलायची चबा लें, इससे ताजगी का एहसास होगा।

पेट के लिए फायदेमंद : हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, गलत खानपान की वजह से अक्सर लोग पेट से जुड़ी परेशानियों जैसे अपच, गैस, एसिडिटी और कब्ज का शिकार हो जाते हैं। इन समस्याओं से निजात दिलाने में इलायची बहुत मददगार साबित हो सकती है। इलायची में कई ऐसे तत्व होते हैं तो पाचन तंत्र को ठीक रखने के साथ ही पेट की जलन, एसिडिटी और अपच की समस्या से राहत दिलाती है।

सर्दी–खांसी और गले की खराश में भी इलायची बहुत कारगर है। यदि किसी तरह के इंफेक्शन की वजह से आपको भी अक्सर सर्दी–खांसी या गले में खराश की समस्या रहती है तो इलायची का सेवन कर सकते हैं। यह खांसी और गले की खराश से राहत दिलाती है। अस्थमा के मरीजों के लिए इलायची किसी दवा से कम नहीं है। इसमें कई ऐसे तत्व होते हैं जो फेफड़ों में रक्त प्रवाह को सुचारू बनाए रखकर फेफड़ों को स्वस्थ रखते हैं। अस्थमा के मरीजों को खांसी आने की भी समस्या होती है ऐसे में इलायची खाना उनके लिए बहुत फायदेमंद होता है।

उल्टी या मितली की समस्या से राहत कई लोगों को सफर के दौरान उल्टी या मितली आने की समस्या रहती है, ऐसे लोगों के लिए इलायची बहुत कारगर है। यदि बस/गाड़ी से सफर के दौरान आपका मन खराब होता है या उल्टी जैसा महसूस होता है तो मुंह में एक इलायची रख लें, इससे आपको अच्छा महसूस होगा। वैसे तो छोटी इलायची गरम मसाले का अहम हिस्सा है, लेकिन यह एक बेहतरीन औषधि का भी काम करती हैं, इसलिए छोटी–मोटी स्वास्थ्य समस्याओं में आप इलायची खा सकते हैं, हां इसका बहुत अधिक सेवन न करें और यदि खास बीमारी में इसका सेवन करना चाहते हैं तो आयुर्वेद विशेषज्ञ से सलाह अवश्य ले लें।

इन लोगों को भूल से भी नहीं करना चाहिए मखाने का सेवन

यूनिक समय, मथुरा। जब हेल्दी फूड्स की बात होती है तो ऐसे में नट्स को डाइट में शामिल करने की सलाह दी जाती है। बादाम, काजू, पिस्ता, अखरोट के अलावा लोग मखाने को भी अपनी डाइट का हिस्सा बनाते हैं। इसे कई तरह से खाया जाता है, क्योंकि इसे हेल्थ के लिए काफी अच्छा माना जाता है। यह सच है कि मखाने में कई पोषक तत्व जैसे कैल्शियम, आयरन, कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन आदि मौजूद होता है। इसलिए, यह आपकी सेहत पर अपना सकारात्मक प्रभाव छोड़ता है। हालांकि, मखाने का सेवन हर किसी के लिए लाभदायक हो, यह जरूरी नहीं है। कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जिनके लिए मखाने का सेवन करना हानिकारक साबित हो सकता है। मसलन, अगर आपको कोई गैस्ट्रिक समस्या है या फिर किडनी से जुड़ी कोई प्रॉब्लम है तो आपको मखाने खाने से परहेज करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि किन लोगों के लिए मखाने का सेवन नुकसानदायक साबित हो सकता है।

गैस्ट्रिक समस्या है तो ना खाएं मखाना

अगर आपको अक्सर गैस्ट्रिक समस्या रहती है तो ऐसे में मखाने को अवॉयड करना ही आपके लिए लाभदायक रहेगा। दरअसल, मखाने में फाइबर और प्रोटीन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। यह दोनों ऐसे पोषक तत्व है, जिन्हें पचाने में शरीर को अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है। इसलिए, अगर आपको पेट से जुड़ी समस्या है तो मखाने का सेवन करने से आपको ब्लोटिंग व गैस्ट्रिक प्रॉब्लम काफी बढ़ सकती है।

किडनी स्टोन है तो न खाएं मखाना

आज के समय में कई लोगों को किडनी स्टोन की समस्या होती है और इसकी कई वजह होती हैं। लेकिन अगर आपको बॉडी में कैल्शियम की अधिकता की वजह से किडनी स्टोन की समस्या का सामना करना पड़ रहा है तो ऐसे में मखाने को अपनी डाइट से बाहर रखना अधिक अच्छा रहेगा। दरअसल, मखाने में फाइबर व प्रोटीन के अलावा कैल्शियम भी प्रचुर मात्रा में होता है। अगर आप मखाने को खाते हैं तो इससे बॉडी में कैल्शियम की मात्रा बढ़ जाएगी। जिससे आपके किडनी स्टोन का साइज बढ़ सकता है और यह आपके लिए परेशानी खड़ी करेगा।

दस्त हैं तो न खाएं मखाना

दस्त होने की स्थिति में भी मखाने का सेवन करना सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। दरअसल, मखाना एक फाइबर रिच फूड आइटम है और फाइबर का एक मुख्य काम बाउल मूवमेंट को बेहतर बनाना होता है।

आमतौर पर, कब्ज होने पर बाउल मूवमेंट को स्मूद करने के लिए फाइबर रिच प्रोडक्ट खाने चाहिए, लेकिन अगर आपको दस्त हो रहे हैं तो ऐसे में मखाना खाने से आपकी समस्या कई गुना बढ़ सकती है।

ऑफिस में बैठे–बैठे करें ये पांच योगासन

दिनभर की थकान, दर्द और तनाव हो जाएंगे गायब

यूनिक समय, मथुरा। स्वस्थ रहने के लिए नियमित योग करना एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। आज के समय में कंप्यूटर और लैपटॉप के सामने घंटों काम करने के कारण अधिकतर लोगों के गर्दन और कंधे में दर्द रहता है। ऐसे में योग से आपको इन समस्याओं में फायदा हो सकता है।

आजकल की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में हम कहीं ना कहीं अपनी सेहत के प्रति लापरवाह हो गए हैं। खानपान की गलत आदतें, सुस्त जीवनशैली आदि के कारण हम अक्सर बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए नियमित योग करना एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है।

आज के समय में ज़्यादातर लोगों की डेस्क जॉब होती है। कंप्यूटर और लैपटॉप के सामने घंटों काम करने के कारण अधिकतर लोगों के गर्दन और कंधे में दर्द रहता है। कई बार यह दर्द इतना ज़्यादा बढ़ जाता है कि पेनकिलर लेने तक की नौबत आ जाती है। ऐसे में योग से आपको इन समस्याओं में फायदा हो सकता है।

आज के इस लेख में हम आपको ऐसे 5

योगासन बताने जा रहे हैं जिन्हें आप आसानी से ऑफिस में बैठे–बैठे भी कर सकते हैं –

ताड़ासन

इस आसान को करने के लिए कुर्सी पर बैठ जाएं और पैरों के बीच कुछ दूरी रखें।

अब अपने दोनों हाथों अपने शरीर के पास में सीधा रखें।

अब गहरी सांस लेते हुए अपनी दोनों बाजुओं को सिर के ऊपर उठाएं और अपनी उंगलियों को आपस में बांध लें। हाथों को सीधा रखें और स्ट्रेच करें।

अपने पैरों को अपने कूल्हों के पीछे रखे और अपनी कमर को सीधा रखें।

इस दौरान आपके शरीर में पैरों से लेकर हाथों की उंगलियों तक स्ट्रेच महसूस होना चाहिए।

इस अवस्था में 10 तक रहें और सांस लेते रहें।

अब सांस छोड़ते हुए अपनी शुरुआती अवस्था में आ जाएं। इस प्रक्रिया को 10 बार दोहराएं।

चेयर पिजन

इस आसान को करने के लिए कुर्सी पर बैठ जाएं।

अब अपने एक पैर को दूसरे के ऊपर 90 डिग्री के कोण पर रखें। अपने पैर को मोड़ें ताकि घुटने पर दबाव न पड़े।

सुनिश्चित करें कि आपकी कमर और एड़ी सीधी रेखा में हों।

जब आप ऊपरी बाहरी जांघ में खिंचाव महसूस करें तो 5–10 बार लंबी सांस लें।

अब इस प्रक्रिया को दूसरी तरफ दोहराएं।

चेयर शवासन

शवासन करने से दिनभर के तनाव और थकान को कम करने में मदद मिलती है।

इस आसान को करने के लिए कुर्सी पर सीधे होकर बैठ जाएं।

अब अपनी हथेलियों को अपने घुटनों पर रखें और आँखों को बंद करें।

अब गहरी सांस लेते हुए सकारत्मक ऊर्जा को अपने अंदर महसूस करें।

इस प्रक्रिया को 10–15 बार दोहराएं।

स्ट्रेचिंग

ऑफिस में कुर्सी पर बैठे–बैठे शरीर में अकड़न और दर्द हो जाता है। ऐसे में आप अपनी कलाई और हाथों की उँगलियों को स्ट्रेच कर सकते हैं।

इसके लिए अपने हाथों को सामने की तरफ सीधा रखें और मुट्ठी बाँध लें। अब अपनी कलाई को पहले क्लॉक वाइज और फिर एंटी क्लॉक वाइज घुमाएं। इसके अलावा आप अपनी हथेलियों को भी स्ट्रेच कर सकते हैं। इसके लिए अपनी हथेली को पहले ऊपर और फिर नीचे की तरफ खींचें।

सीटेड ट्विस्ट

इस आसान को करने के लिए कुर्सी पर सीधे होकर बैठ जाएं। अब अपने हाथों को अपनी कुर्सी के पीछे की भुजाओं पर रखें।

अब धीरे से अपनी छाती और पेट को एक तरफ मोड़ें। दूसरी तरफ दोहराने से पहले 4–5 सांसों तक रुकें।

इस आसान को करने से आपकी रीढ़ को आराम मिलता है। इसके साथ ही यह आसान एब्डोमेन और कमर की मांसपेशियों को भी आराम पहुंचाता है।

सुविचार

समय का सही उपयोग ही जीवन को सफल और सार्थक बनाता है।

कल का पंचांग

तिथि	दशमी 12:27-01:17 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	श्रवण 01:39- 03:14 तक	माह	बैशाख
सूर्योदय	6:02 AM	चन्द्रोदय	02:38 AM
सूर्यास्त	6:38 PM	चंद्रास्त	01:37 PM
सूर्य राशि	मीन राशि	चंद्र	कुंभ राशि
शुभ मुहूर्त	11:55AM -12:45 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:26-05:14
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	05:03 PM: 06:38 PM	वार	रविवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

कुंडली के पांच संकेत बताएंगे कैसा होगा जीवन साथी और ससुराल

यूनिक समय, मथुरा। शादी को लेकर हर किसी के मन में यह सवाल जरूर उठता है कि जीवनसाथी कैसा होगा और ससुराल की आर्थिक स्थिति कैसी रहेगी। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जन्म कुंडली में मौजूद कुछ खास भाव और ग्रह ऐसे संकेत देते हैं, जिनसे वैवाहिक जीवन, जीवनसाथी की सुंदरता और ससुराल की समृद्धि के बारे में अनुमान लगाया जा सकता है। हालांकि इसे अंतिम सत्य नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शन के रूप में ही देखना चाहिए।

सबसे पहले बात करते हैं कुंडली के 7वें, 8वें और 11वें भाव की। 7वां भाव विवाह और जीवनसाथी का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह भाव मजबूत है और शुभ ग्रहों का प्रभाव है, तो जीवनसाथी आकर्षक, समझदार और सहयोगी हो सकता है। वहीं 8वां भाव जीवनसाथी की संपत्ति, विरासत और आर्थिक स्थिति से जुड़ा होता है। अगर यह भाव शुभ स्थिति में हो, तो ससुराल पक्ष से धन और सुविधा मिलने के योग बनते हैं। 11वां भाव आय और लाभ का होता है, जो शादी के बाद मिलने वाले आर्थिक अवसरों का संकेत देता है। शुक्र ग्रह को वैवाहिक सुख, प्रेम और ऐश्वर्य का कारक माना जाता है। यदि कुंडली में शुक्र मजबूत स्थिति में हो–जैसे वृषभ या तुला राशि में या मीन में उच्च का–तो व्यक्ति को सुंदर, आकर्षक और आर्थिक रूप से सक्षम जीवनसाथी मिलने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे लोग आमतौर पर सुख–सुविधाओं से भरपूर जीवन जीते हैं। गुरु यानी बृहस्पति भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह ग्रह समृद्धि, ज्ञान और स्थिरता का प्रतीक है। अगर गुरु 7वें भाव में हो या उस पर दृष्टि डाल रहा हो, तो विवाह के बाद जीवन में आर्थिक स्थिरता और सम्मान बढ़ता है। यह संकेत देता है कि जीवनसाथी समझदार और परिवार को संभालने वाला हो सकता है।

कुंडली का 8वां भाव भी खास महत्व रखता है। यदि यह मजबूत हो या उस पर शुभ ग्रहों का प्रभाव हो, तो विवाह के बाद अचानक धन लाभ या संपन्न परिवार में विवाह के योग बनते हैं। यह विरासत और साझा संपत्ति का भी संकेत देता है। राहु की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि राहु 7वें या 11वें भाव में स्थित हो, तो यह अचानक धन लाभ, विदेशी संबंध या प्रतिष्ठित और समृद्ध जीवनसाथी मिलने के योग बना सकता है। हालांकि राहु के प्रभाव को समझने के लिए पूरी कुंडली का विश्लेषण जरूरी होता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

अंततः ज्योतिष केवल संकेत देता है, निर्णय नहीं। किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले पूरी कुंडली, नवांश चार्ट और ग्रहों के आपसी संबंधों को देखना आवश्यक होता है। जीवन की वास्तविक दिशा आपके कर्म, निर्णय और परिस्थितियों पर भी निर्भर करती है।

बलिया का अनोखा बरगद, जड़ आज तक नहीं मिली

जहां पत्ती तोड़ते ही टूटती हड्डियां

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में एक ऐसा बरगद का पेड़ है, जो न सिर्फ अपने आकार बल्कि उससे जुड़ी रहस्यमयी मान्यताओं के कारण भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। बांसडीह रोड थाना क्षेत्र के ढोढ़वली गांव स्थित यह बरगद लगभग 5 बीघा जमीन में फैला हुआ है और अब एक छोटे जंगल का रूप ले चुका है। दूर–दूर से लोग इस अनोखे पेड़ को देखने और इसकी कहानी जानने के लिए यहां पहुंचते हैं।

इस पेड़ को छेड़ा तो अनहोनी तय, गांव वालों का दावा

5 बीघे में फैला बरगद रहस्य से घिरा हर पत्ता

स्थानीय लोगों के अनुसार, यह सिर्फ एक पेड़ नहीं बल्कि आस्था, डर और रहस्य का संगम है। इस बरगद से जुड़ी सबसे चर्चित कथा होरिल बाबा की है। बताया जाता है कि जमीन–जायदाद के विवाद से परेशान होकर उन्होंने इसी पेड़ पर अपनी जान दे दी थी। उनकी मृत्यु के बाद गांव में कई अजीब घटनाएं होने लगीं, जिन्हें लोग आज भी बाबा का प्रभाव मानते हैं।

गांव के बुजुर्गों का कहना है कि उस समय कई सिद्ध पुरुषों को बुलाया गया, लेकिन स्थिति सामान्य नहीं हो पाई। अंततः होरिल बाबा के ही भाई, जो एक सिद्ध योगी माने जाते थे, उन्होंने आकर विशेष अनुष्ठान किया और उनकी आत्मा को शांत किया। तभी से यह स्थान एक पूजनीय स्थल के रूप में स्थापित हो गया।

इस बरगद की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसकी असली जड़ कहां है, इसका पता आज तक नहीं चल पाया है। इसकी शाखाएं इतनी दूर–दूर तक फैली हैं कि पूरा क्षेत्र इसकी छांव में समा गया है। यही कारण है कि लोग इसे "एक पेड़ में पूरा जंगल" भी कहते हैं।

स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, इस पेड़ की पत्ती या डाली तोड़ने की कोशिश करने वालों के साथ अनहोनी हो जाती है।

कई लोग दावा करते हैं कि ऐसा करने पर उनके हाथ–पैर टूट गए या उन्हें किसी न किसी प्रकार की परेशानी का सामना करना पड़ा। यही वजह है कि कोई भी इस पेड़ को नुकसान पहुंचाने की हिम्मत नहीं करता।

यहां तक कि गांव में यह भी माना जाता है कि इस पेड़ की लकड़ी का इस्तेमाल मांसाहारी भोजन बनाने में करना अशुभ होता है। ऐसी मान्यताओं के चलते लोग इस पेड़ के प्रति विशेष श्रद्धा रखते हैं।

हर साल गांव के लोग सामूहिक रूप से यहां भंडारे का आयोजन करते हैं, जिसमें शुद्ध घी से बने व्यंजनों का भोग लगाया जाता है और सैकड़ों लोगों को प्रसाद वितरित किया जाता है। बरगद के नीचे बने होरिल बाबा के स्थान पर नियमित रूप से कीर्तन और पूजा–पाठ भी होता रहता है। हालांकि इन सभी दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन स्थानीय लोगों की आस्था इस बरगद को एक विशेष पहचान देती है। यह पेड़ आज भी रहस्य और विश्वास का ऐसा प्रतीक बना हुआ है, जो लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता रहता है।

कल का राशिफल

मेष : कल चंद्रमा की स्थिति आपके लिए कार्यक्षेत्र में गति लाएगी। रुके काम पूरे होंगे। धन लाभ के छोटे अवसर मिलेंगे, लेकिन खर्च भी साथ–साथ बढ़ सकता है। शाम के समय किसी करीबी से मतभेद हो सकता है–बोलचाल संभालकर रखें।

वृषभ : चंद्रमा आपके अनुकूल है, जिससे मन शांत रहेगा। निवेश या खरीदारी के लिए दिन ठीक है, लेकिन उधार देने से बचें। परिवार में कोई शुभ चर्चा हो सकती है। स्वास्थ्य में हल्की थकान महसूस होगी।

मिथुन : कल मानसिक उलझनें रह सकती हैं। कार्यक्षेत्र में दबाव रहेगा, लेकिन मेहनत रंग लाएगी। पुराने संपर्क से लाभ मिल सकता है। यात्रा टालना बेहतर रहेगा।

कर्क : भाग्य आपका साथ देगा। रुके काम पूरे होंगे और आय के नए स्रोत बन सकते हैं। घर में खुशखबरी मिल सकती है। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा है।

सिंह : कल आपको संभलकर चलने की जरूरत है। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। किसी वरिष्ठ से बहस से बचें। आर्थिक मामलों में सतर्क रहें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

कन्या : कल का दिन लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिल सकती है। व्यवसाय में नई डील फाइनल हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

तुला : काम का दबाव अधिक रहेगा, लेकिन परिणाम आपके पक्ष में होंगे। धन की स्थिति में सुधार होगा। परिवार के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। सेहत ठीक रहेगी।

वृश्चिकः कल भावनाओं में बहने से बचें। किसी पुराने विवाद का असर पड़ सकता है। निवेश सोच–समझकर करें। शाम के बाद स्थिति बेहतर होगी।

धनु : आज भाग्य मजबूत रहेगा। करियर में प्रगति और नई जिम्मेदारी मिल सकती है। यात्रा के योग बन रहे हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर : दिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण रह सकता है। काम में देरी या बाधा आ सकती है। धैर्य रखें और जल्दबाजी से बचें। परिवार का सहयोग मिलेगा।

कुंभ : कल नए अवसर मिल सकते हैं। व्यवसाय में लाभ होगा। मित्रों से सहयोग मिलेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी।

मीन : कल धन लाभ के योग हैं। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

सप्त सागरः अधिकमास में स्नान–परिक्रमा से पाप, रोग और कष्टों से मुक्ति का विश्वास

यूनिक समय, मथुरा। मध्य प्रदेश के उज्जैन को धर्म और आध्यात्म की नगरी कहा जाता है। यहां स्थित महाकालेश्वर मंदिर में भगवान शिव के दर्शन के लिए देश–विदेश से लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इस पवित्र नगरी में "सप्त सागर" यानी सात दिव्य कुंड भी मौजूद हैं, जिनका धार्मिक महत्व अत्यंत विशेष माना जाता है।

प्राचीन ग्रंथों जैसे विष्णु पुराण और स्कंद पुराण में सप्त सागर का उल्लेख मिलता है। मान्यता है कि इन सात कुंडों में स्नान और परिक्रमा करने से व्यक्ति को पापों, रोगों और जीवन की परेशानियों से मुक्ति मिलती है। यही कारण है कि श्रद्धालु महाकाल दर्शन के साथ–साथ इन कुंडों की यात्रा भी अवश्य करते हैं।

उज्जैन के सप्त सागर में रुद्रसागर, क्षीरसागर, गोवर्धन सागर, रत्नाकर सागर, विष्णु सागर, पुरुषोतम सागर और पुष्कर सागर शामिल हैं। इन सातों कुंडों की अपनी–अपनी धार्मिक मान्यताएं और परंपराएं हैं, जो इन्हें खास बनाती हैं।

इनमें सबसे प्रमुख रुद्रसागर है, जो महाकाल मंदिर के पीछे स्थित है। मान्यता है कि भगवान शिव के दर्शन के बाद यहां स्नान करने से सभी पापों का नाश होता है। वहीं क्षीरसागर को भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का निवास स्थान माना जाता है, जहां स्नान के बाद खीर का दान करना शुभ फल देता है।

गोवर्धन सागर भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ा हुआ है, जहां माखन–मिश्री का दान करने की परंपरा है। रत्नाकर सागर को रत्नों का सागर कहा जाता है और इसमें स्नान करने से स्वर्ग की प्राप्ति का विश्वास है। इसके अलावा विष्णु सागर, पुरुषोतम सागर और पुष्कर सागर भी धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, अधिकमास (पुरुषोत्तम मास) में इन सप्त सागर का महत्व कई गुना बढ़ जाता है। इस विशेष महीने में यदि श्रद्धालु सातों कुंडों में स्नान कर उनकी परिक्रमा करते हैं, तो उन्हें पापों से मुक्ति, रोगों से राहत और जीवन के कष्टों से छुटकारा मिलता है।

यही कारण है कि उज्जैन आने वाले श्रद्धालु केवल महाकाल के दर्शन तक ही सीमित नहीं रहते, बल्कि सप्त सागर की यात्रा को भी अपनी आस्था का हिस्सा बनाते हैं। यह यात्रा न केवल धार्मिक लाभ देती है, बल्कि मन, शरीर और आत्मा को भी गहरी शांति प्रदान करती है।

सम्पादकीय

यमुना रो रही, सिस्टम चैन से सो रहा

मथुरा, जहां आस्था हर गली में सांस लेती है और यमुना को मां कहा जाता है, वहीं इसी मां की हालत आज किसी "ओवरलोडेड ड्रेनेज सिस्टम" जैसी हो चुकी है। फर्क बस इतना है कि ड्रेनेज सिस्टम को साफ किया जाता है, यमुना को अक्सर सिर्फ पूजा के लिए याद किया जाता है। यमुना किनारे वाइब्रेटर फैक्ट्रियों की चहल–पहल किसी औद्योगिक प्रगति का संकेत कम और नदी के धैर्य की परीक्षा ज्यादा लगती है। मशीनें चलती हैं, उत्पादन होता है और साथ ही चलता है "अदृश्य पाइपलाइन सिस्टम"–जो सारा गंदा पानी सीधे यमुना माता को प्रसाद की तरह अर्पित कर देता है। ऊपर से शहर का

पवन गौतम
संपादक

मुख्य गंदा नाला भी बिना किसी औपचारिक रोकटोक के नदी में प्रवेश करता है, जैसे उसे वीआईपी एंट्री मिली हो। विडंबना देखिए, एक तरफ प्रशासन सीईटीपी और एसटीपी के बोर्ड लगाकर खुद को "स्वच्छता योद्धा" घोषित करता है, दूसरी तरफ यमुना का पानी देखकर लगता है कि सिस्टम ने भी हार मान ली है और अब बस "फ्लो के साथ बहना" सीख लिया है। स्थानीय लोग कहते हैं कि पहले यमुना में आरती होती थी, अब हाल यह है कि आरती के बाद लोग यह भी देख लेते हैं कि कहीं नाले ने जगह तो नहीं बदल ली। घाटों पर श्रद्धा है, लेकिन पानी में सवाल–और सवाल भी ऐसे जो जवाब मांगते–मांगते थक चुके हैं। मथुरा के वाइब्रेटर फैक्ट्री मालिकों से अगर पूछा जाए तो शायद वे कहें कि "हम तो रोजगार दे रहे हैं।" और यमुना शायद मन ही मन जवाब देती होगी–"हाँ, और मुझे रोज नया प्रदूषण मिल रहा है।" यह रिश्ता अब ऐसा हो गया है जैसे विकास और विनाश एक ही नाव में बैठकर यमुना में यात्रा कर रहे हों। सबसे मजेदार बात यह है कि हमारे सिस्टम में समाधान भी इतना सुव्यवस्थित है कि कागजों में यमुना बिल्कुल "स्वच्छ" है। रिपोर्टें चमकदार हैं, मीटिंग्स गंभीर हैं, और जमीनी यमुना वह बस बह रही है–अपनी ही किस्मत पर। असल समस्या तकनीक की नहीं, बल्कि उस इच्छाशक्ति की है जो हर फाइल में दबकर रह जाती है। निगरानी होती है, लेकिन सिर्फ तब जब कैमरा साथ हो। कार्रवाई होती है, लेकिन अक्सर तब जब पानी पहले ही हाथ से निकल चुका होता है। जनभागीदारी की हालत यह है कि लोग यमुना को बचाने की बात तो करते हैं, लेकिन उसी किनारे खड़े होकर प्लास्टिक का प्रसाद भी बहा देते हैं–जैसे प्रदूषण और भक्ति में कोई "कॉम्बो ऑफर" चल रहा हो। नतीजा साफ है–यमुना आज नदी कम और "मिक्स्ड यूटिलिटी चैनल" ज्यादा लगती है, जहां फैक्ट्री का धुआं, शहर का नाला और सिस्टम की चुप्पी–ऑल इन वन पैकेज बह रहा है।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

पिंक क्रेडिट से बदलती भारत की आर्थिक तस्वीर नई दिशा

दीपक कुमार अग्रवाल

भारत की आर्थिक संरचना में पिछले कुछ वर्षों में एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला है, जिसका केंद्र महिलाओं की बढ़ती वित्तीय भागीदारी है। परंपरागत रूप से जहां महिलाओं की भूमिका घरेलू दायरे तक सीमित मानी जाती थी, वहीं आज वे न केवल उपभोक्ता बल्कि निवेशक, उद्यमी और अर्थव्यवस्था की सक्रिय भागीदार बनकर उभर रही हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट "बरोअर्स टू बिल्डर्सः वुमन एंड इंडियाज इवॉल्विंग क्रेडिट मार्केट" इस बदलाव की एक स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करती है।

रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2017 में जहां महिलाओं का कुल क्रेडिट पोर्टफोलियो लगभग 16 लाख करोड़ रुपये था, वहीं वर्ष 2025 तक यह बढ़कर लगभग 76 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह वृद्धि केवल आंकड़ों का विस्तार नहीं है, बल्कि भारतीय समाज में हो रहे गहरे संरचनात्मक बदलाव का संकेत है। यह बताता है कि महिलाएं अब वित्तीय निर्णय लेने और आर्थिक जोखिम उठाने में पहले की तुलना में अधिक आत्मनिर्भर और सक्षम हो रही हैं।

पिछले कुछ वर्षों में बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों ने भी महिलाओं को विशेष प्रोत्साहन देने के लिए "पिंक क्रेडिट" जैसी योजनाओं को बढ़ावा दिया है। इन योजनाओं के तहत महिलाओं को अपेक्षाकृत कम ब्याज दरों, आसान शर्तों और सरल प्रक्रिया के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। इसका सीधा प्रभाव यह हुआ है कि महिलाओं की बैंकिंग प्रणाली में भागीदारी बढ़ी है और वे औपचारिक ऋण व्यवस्था से जुड़ रही हैं। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि अब महिलाएं केवल गृहस्थी तक सीमित वित्तीय भूमिका तक नहीं रहीं, बल्कि वे छोटे और मध्यम स्तर के व्यवसायों से लेकर बड़े स्टार्टअप्स तक में सक्रिय रूप से शामिल हो रही हैं। विशेष रूप से युवा महिलाओं में उद्यमशीलता की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार 30 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं में लगभग 18 प्रतिशत महिलाएं व्यवसायिक ऋण लेकर स्वरोजगार या उद्यम स्थापित कर रही हैं।

यह परिवर्तन केवल व्यक्तिगत आर्थिक सशक्तिकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका व्यापक सामाजिक प्रभाव भी दिखाई देता है। जब महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत होती हैं, तो उनके निर्णय लेने की क्षमता में वृद्धि होती है। वे परिवार के वित्तीय और सामाजिक निर्णयों में अधिक सक्रिय भूमिका निभाती हैं, जिससे परिवारों में संतुलन और स्थिरता आती है।

भारत में महिला कर्जदारों की बढ़ती भागीदारी यह भी संकेत देती है कि वित्तीय समावेशन की दिशा में देश ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। हालांकि, रिपोर्ट यह भी स्पष्ट करती है कि अभी भी एक बड़ा हिस्सा ऐसा है जो औपचारिक ऋण प्रणाली से बाहर है। अनुमान के अनुसार, ऋण योग्य महिलाओं में से केवल लगभग 36 प्रतिशत ही औपचारिक वित्तीय संस्थानों से जुड़ पाई हैं। यह एक ऐसी चुनौती है जिस पर आगे काम करने की आवश्यकता है।

यदि हम ग्रामीण और अर्ध–शहरी क्षेत्रों की बात करें तो वहां अभी भी महिलाओं की वित्तीय पहुंच सीमित है। कई बार सामाजिक बाधाएं, जानकारी की कमी और डिजिटल साक्षरता का अभाव इस प्रक्रिया में रुकावट बनते हैं। इसलिए केवल ऋण उपलब्ध कराना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि वित्तीय शिक्षा और जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है।

महिला उद्यमशीलता का विस्तार केवल व्यक्तिगत लाभ का विषय नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का आधार बन सकता है। जब अधिक महिलाएं व्यवसाय शुरू करती हैं, तो रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है और आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को भी गति मिलती है। आज स्थिति यह है कि महिलाएं छोटे स्तर के स्टार्टअप्स से लेकर सेवा क्षेत्र, खुदरा व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और तकनीकी क्षेत्रों तक में अपनी पहचान बना रही हैं। यह विविधता दर्शाती है कि महिलाओं की आर्थिक भागीदारी अब किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक रूप से सभी क्षेत्रों में फैल रही है।

इस बदलाव का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि महिलाओं की वित्तीय अनुशासन क्षमता अपेक्षाकृत अधिक मानी जाती है। समय पर ऋण चुकाने की आदत, बचत की प्रवृत्ति और योजनाबद्ध निवेश उन्हें बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए भरोसेमंद ग्राहक बनाता है। यही कारण है कि बैंक भी अब महिलाओं को एक स्थिर और सुरक्षित ग्राहक वर्ग के रूप में देख रहे हैं।

हालांकि, यह भी सच है कि इस सकारात्मक परिवर्तन के बावजूद चुनौतियाँ पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी कई महिलाएं आर्थिक रूप से स्वतंत्र नहीं हैं। कई जगहों पर पारिवारिक और सामाजिक दबाव उनके वित्तीय निर्णयों को प्रभावित करते हैं। इसके अलावा, डिजिटल वित्तीय सेवाओं तक सीमित पहुंच भी एक बड़ी बाधा बनी हुई है। नीति निर्माताओं के लिए यह आवश्यक है कि वे इस प्रगति को और अधिक समावेशी बनाएं। केवल बड़े शहरों तक सीमित विकास पर्याप्त नहीं है, बल्कि इसे गांव–गांव और हर वर्ग की महिलाओं तक पहुंचाना होगा।

इसके लिए वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों, डिजिटल प्रशिक्षण और सरल ऋण प्रक्रियाओं को और मजबूत करने की आवश्यकता है। "पिंक क्रेडिट" केवल एक आर्थिक शब्द नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक बन चुका है। यह उस भारत की तस्वीर दिखाता है जहां महिलाएं अब केवल आर्थिक प्रणाली का हिस्सा नहीं, बल्कि उसकी दिशा तय करने वाली प्रमुख शक्ति बन रही हैं। निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि महिला उद्यमशीलता और वित्तीय भागीदारी का यह बढ़ता हुआ ग्राफ भारत के भविष्य के लिए अत्यंत सकारात्मक संकेत है। यदि इस गति को सही दिशा और समर्थन मिलता रहा, तो आने वाले वर्षों में महिलाएं न केवल परिवारों की बल्कि पूरे देश की आर्थिक रीढ़ बन सकती हैं।

विचार विण्डो

टकराव में उलझी महाशक्तियाँ चीन सबसे आगे नया

बोध प्रकाश सगुणी

वैश्विक राजनीति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ पारंपरिक शक्ति संतुलन तेजी से बदल रहा है। एक ओर अमेरिका और उसके सहयोगी देश लगातार सैन्य, आर्थिक और कूटनीतिक मोर्चों पर चुनौतियों से जूझ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर चीन बिना सीधे युद्ध में शामिल हुए भी वैश्विक व्यवस्था में अपनी स्थिति को मजबूत करता जा रहा है। हाल के वर्षों में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, ईरान–अमेरिका टकराव और ऊर्जा संसाधनों की प्रतिस्पर्धा ने इस बदलाव को और स्पष्ट कर दिया है।

आज की दुनिया केवल हथियारों या सेनाओं के बल पर नहीं चलती, बल्कि ऊर्जा, तकनीक, सप्लाई चेन और संसाधनों पर नियंत्रण ही असली शक्ति का आधार बन चुका है। इसी संदर्भ में चीन की रणनीति सबसे अलग और प्रभावी दिखाई देती है। उसने लंबे समय से ऐसी नीतियाँ अपनाई हैं जिनमें जोखिम कम और लाभ अधिक हो, और यही कारण है कि वह वैश्विक संकटों के बीच भी अपेक्षाकृत स्थिर स्थिति में बना रहता है।

ईरान और अमेरिका के बीच हालिया तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर किया। तेल की कीमतों में उतार–चढ़ाव, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर चिंताएँ और आपूर्ति शृंखला में बाधाएँ दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित कर रही हैं। लेकिन इन सबके बीच चीन ने अपनी ऊर्जा रणनीति की मजबूती का परिचय दिया है। उसने वर्षों पहले ही यह समझ लिया था कि केवल एक स्रोत पर निर्भर रहना किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए खतरा हो सकता है। चीन आज अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए कई देशों पर निर्भर है, लेकिन यह निर्भरता संतुलित और विभाजित है। उसका कच्चा तेल विभिन्न क्षेत्रों से आता है, जिससे किसी एक देश में संकट आने पर भी उसकी आपूर्ति पूरी तरह बाधित नहीं होती। इसके अलावा चीन ने विशाल रणनीतिक तेल भंडार तैयार किए हैं, जो किसी भी आपात स्थिति में महीनों तक उसकी अर्थव्यवस्था को चलाने में सक्षम हैं।

ऊर्जा सुरक्षा के साथ–साथ चीन ने वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर भी आक्रामक निवेश किया है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में उसकी प्रगति दुनिया के लिए एक उदाहरण बन चुकी है। यह न केवल उसके घरेलू ऊर्जा दबाव को कम करता है, बल्कि उसे वैश्विक हरित अर्थव्यवस्था में अग्रणी स्थान भी दिलाता है। इसके विपरीत पश्चिमी देश अभी भी ऊर्जा संक्रमण की प्रक्रिया में संघर्ष कर रहे हैं। जीवाश्म ईंधन पर उनकी निर्भरता और

राजनीतिक अस्थिरता उन्हें कई बार संकट में डाल देती है। ऐसे में चीन की दीर्घकालिक योजना उसे एक स्थिर और रणनीतिक लाभ प्रदान करती है।

चीन की ताकत केवल ऊर्जा तक सीमित नहीं है, बल्कि उसका विशाल औद्योगिक ढांचा भी उसे विशेष बढ़त देता है। वह दुनिया का सबसे बड़ा विनिर्माण केंद्र बन चुका है, जहाँ इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर भारी मशीनरी तक हर चीज बड़े पैमाने पर तैयार होती है। इस उत्पादन क्षमता ने उसे वैश्विक सप्लाई चेन का केंद्र बना दिया है। आज स्थिति यह है कि दुनिया के कई देश अपनी आवश्यक वस्तुओं के लिए चीन पर निर्भर हैं। चाहे वह दवाइयाँ हों, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण हों या फिर औद्योगिक कच्चा माल–चीन की भूमिका हर जगह महत्वपूर्ण है। यह निर्भरता उसे वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित करती है।

इसके साथ ही चीन ने दुर्लभ खनिजों और रणनीतिक संसाधनों पर भी मजबूत पकड़ बनाई है। आधुनिक तकनीक और रक्षा उद्योग में उपयोग होने वाले कई महत्वपूर्ण खनिजों का उत्पादन और प्रसंस्करण चीन के नियंत्रण में है। यह स्थिति उसे केवल आर्थिक ही नहीं, बल्कि सामरिक रूप से भी बेहद शक्तिशाली बनाती है। दूसरी ओर अमेरिका और पश्चिमी देश इन संसाधनों के लिए वैकल्पिक स्रोत खोजने में लगे हैं, लेकिन यह

प्रक्रिया आसान नहीं है। वैश्विक आपूर्ति शृंखला इतनी जटिल हो चुकी है कि किसी एक देश का दबदबा खत्म करना तुरंत संभव नहीं है। चीन की एक और विशेषता उसका केंद्रीकृत निर्णय तंत्र है। वह तेजी से नीतियाँ बदल सकता है और बड़े आर्थिक फैसले तुरंत लागू कर सकता है। यह लचीलापन उसे वैश्विक संकटों के दौरान अधिक प्रभावी बनाता है। जब दुनिया के अन्य देश राजनीतिक बहसों और आर्थिक अस्थिरता में उलझे रहते हैं, तब चीन तेजी से अपने हितों के अनुसार कदम उठा लेता है।

हालांकि यह भी सच है कि चीन की यह रणनीति पूरी तरह जोखिम रहित नहीं है। वैश्विक अस्थिरता, व्यापारिक प्रतिबंध और भू–राजनीतिक तनाव उसके लिए भी चुनौतियाँ पैदा करते हैं। लेकिन उसने जिस तरह अपने आर्थिक मॉडल को विविध और आत्मनिर्भर बनाया है, वह उसे इन झटकों को सहने की क्षमता देता है।

आज दुनिया एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुकी है जहाँ शक्ति का स्वरूप बदल रहा है। अब केवल सैन्य ताकत निर्णायक नहीं है, बल्कि तकनीकी श्रेष्ठता, संसाधनों पर नियंत्रण और आर्थिक नेटवर्क ही असली शक्ति बन चुके हैं। इस नए युग में चीन ने खुद को बहुत पहले ही तैयार कर लिया था।

वहीं अमेरिका अभी भी कई मोर्चों पर अपनी पारंपरिक भूमिका और नई चुनौतियों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है। उसके लिए यह समय रणनीतिक पुनर्विचार का है, क्योंकि वैश्विक व्यवस्था तेजी से बहुध्रुवीय होती जा रही है।

निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में चीन बिना सीधे संघर्ष में शामिल हुए भी रणनीतिक रूप से सबसे मजबूत स्थिति में दिखाई देता है। उसकी ऊर्जा सुरक्षा, औद्योगिक क्षमता, तकनीकी निवेश और संसाधनों पर नियंत्रण उसे वैश्विक शक्ति संतुलन में एक निर्णायक खिलाड़ी बनाते हैं। आने वाले वर्षों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह बढ़त वैश्विक सहयोग में बदलती है या प्रतिस्पर्धा और अधिक तीव्र होती है।

राजस्थान की चौथी लगातार जीत

गुवाहाटी में मैच से पहले विराट का मस्ती भरा अंदाज छाया

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के 16वें मुकाबले में भले ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन मैच से पहले विराट कोहली का एक वीडियो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। इस वीडियो में कोहली अपने मस्ती भरे अंदाज में 'नागिन डांस' करते नजर आ रहे हैं, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले से पहले आरसीबी टीम अभ्यास कर रही थी। इसी दौरान विराट कोहली ने वॉर्मअप के बीच अचानक नागिन डांस के स्टेप्स करने शुरू कर दिए। उनका यह अंदाज देखकर स्टेडियम में मौजूद दर्शक भी झूम उठे और जोरदार शोर के साथ उनका उत्साह बढ़ाया। कोहली का यह वीडियो अब

तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस इसे खूब शेयर कर रहे हैं।

हालांकि, मैदान पर उनके बल्ले से बड़ी पारी देखने को नहीं मिली। कोहली ने 16 गेंदों में 32 रन बनाए, लेकिन वह अपनी टीम को जीत दिलाने में सफल नहीं हो सके। आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 201 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में राजस्थान रॉयल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लक्ष्य को 18 ओवर में ही हासिल कर लिया। टीम की जीत में वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल की अहम भूमिका रही, दोनों बल्लेबाजों ने बेहतरीन अर्धशतकीय पारियां खेलीं।

इस जीत के साथ राजस्थान रॉयल्स ने सीजन में अपनी शानदार लय बरकरार रखी और लगातार चौथी जीत दर्ज की। वहीं आरसीबी के लिए यह हार झटका जरूर है, लेकिन टीम अब भी अंक तालिका में मजबूत स्थिति में बनी हुई है। तीन मैचों में दो जीत के साथ बेंगलुरु के चार अंक हैं और वह तीसरे स्थान पर काबिज है। टीम का नेट रन रेट भी सकारात्मक है, जो आगे के मुकाबलों में अहम साबित हो सकता है।

अब आरसीबी की नजर अगले मैच पर है, जहां उसका सामना मुंबई इंडियंस से 12 अप्रैल को वानखेड़े स्टेडियम में होगा। इस मुकाबले में टीम वापसी के इरादे से उतरेगी, जबकि फैंस को एक बार फिर कोहली के बल्ले और उनके अंदाज का इंतजार रहेगा।

क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2: नोइना का श्राप बना संकट

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में कहानी अब बेहद दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गई है। तुलसी की वापसी के साथ ही विरानी परिवार में छिपे राज खुलने लगे हैं, जिससे माहौल पूरी तरह बदल गया है।

आने वाले एपिसोड में दर्शकों को हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिलेगा। कहानी के मुताबिक, तुलसी सही-सलामत लौटते ही नोइना की सच्चाई सबके सामने ले आती है। वह खुलासा करती है कि नोइना ने मिहिर से शादी करने के लिए अपनी बीमारी का झूठा नाटक रचा था। जैसे ही यह सच सामने आता है, परिवार में हंगामा मच जाता है और मिहिर भी नोइना पर भड़क उठता है। तुलसी के पास पुख्ता सबूत होते हैं, जिसके आधार पर वह नोइना को बेनकाब करती है। इसके बाद घरवाले नोइना को बाहर निकाल देते हैं। हालांकि, अपने मंसूबों के नाकाम होने से बौखलाई नोइना गुस्से में तुलसी को श्राप देती है कि वह और मिहिर कभी एक नहीं हो पाएंगे और तुलसी की जिंदगी भी उसकी तरह अकेलेपन में गुजरेगी। नोइना का यह श्राप कहानी में नया मोड़ लेकर आता है। तुलसी, जो अब तक न्याय के लिए लड़ रही थी, इस श्राप से भावुक और परेशान नजर आती है। वहीं मिहिर भी इस पूरे घटनाक्रम से हिल जाता है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या नोइना का श्राप सच साबित होगा या फिर तुलसी और मिहिर की प्रेम कहानी हर मुश्किल को पार कर पाएगी? आने वाले एपिसोड में इस सवाल का जवाब मिलेगा, जहां रिश्तों की असली परीक्षा होने वाली है।

दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

जना नायकन ' लीक पर भड़के साउथ स्टार्स

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ सुपरस्टार थलापति विजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जना नायकन' रिलीज से पहले ही ऑनलाइन लीक हो गई है, जिससे फिल्म इंडस्ट्री में हड़कंप मच गया है। लंबे समय से सर्टिफिकेशन और रिलीज डेट को लेकर अटकी इस फिल्म के लीक होने पर साउथ सिनेमा के कई बड़े सितारों ने कड़ी नाराजगी जताई है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

विजय देवरकोंडा ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह केवल एक फिल्म का नुकसान नहीं, बल्कि उससे जुड़े सैकड़ों लोगों की मेहनत और सपनों पर चोट है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि इस तरह की घटनाएं बेहद निराशाजनक हैं और जिम्मेदार लोगों

की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

सुपरस्टार रजनीकांत ने भी इस मामले को गंभीर बताते हुए सरकार और फिल्म संगठनों से सख्त कदम उठाने की अपील की। वहीं कमल हासन ने इसे सिस्टम की विफलता करार दिया। उनका कहना है कि फिल्म के प्रमाणीकरण में हुई देरी ने पायरेसी को बढ़ावा दिया, जिससे ऐसी स्थिति पैदा हुई। फिल्म की एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने भी लीक पर दुख जताते हुए दर्शकों से अपील की कि वे फिल्म को अवैध तरीके से न देखें। उन्होंने कहा कि एक फिल्म अनगिनत लोगों की मेहनत का परिणाम होती है और इसे इस तरह लीक होते देखना बेहद दुखद है। चिरंजीवी और सूर्या ने भी मेकर्स का समर्थन करते हुए पायरेसी के खिलाफ आवाज उठाई।

फिल्म के प्रोडक्शन हाउस केवीएन प्रोडक्शंस ने भी आधिकारिक बयान जारी कर पुष्टि की है कि फिल्म के कुछ हिस्से, और कुछ मामलों में पूरी फिल्म, अवैध रूप से ऑनलाइन प्रसारित की गई है। उन्होंने इसे गंभीर अपराध बताते हुए लोगों से अपील की है कि वे इस तरह की सामग्री को न देखें और न ही साझा करें। इस घटना ने एक बार फिर फिल्म इंडस्ट्री में पायरेसी के खतरे को उजागर कर दिया है, जिस पर सख्त कदम उठाने की जरूरत महसूस की जा रही है।

'महाभारत' के इंद्रदेव सतीश कौल: शोहरत से संघर्ष तक का दर्दभरा सफर

यूनिक समय, नई दिल्ली। बीआर चोपड़ा की 'महाभारत' में इंद्रदेव का किरदार निभाकर पहचान बनाने वाले सतीश कौल की जिंदगी जितनी चमकदार रही, उतनी ही दर्दभरी भी रही। पंजाबी सिनेमा के "अमिताभ बच्चन" कहे जाने वाले इस अभिनेता के अंतिम दिन आर्थिक तंगी और अकेलेपन में बीते। सितंबर 1946 में कश्मीर में जन्मे सतीश कौल ने अभिनय का सपना पूरा करने के लिए पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट (एफटीआईआई) से पढ़ाई की। यहां वे शत्रुघ्न सिन्हा, जया बच्चन और डैनी डेंग्जोंग्पा जैसे कलाकारों के सहपाठी रहे। 70 के दशक में उन्होंने फिल्मी करियर की शुरुआत की और जल्द ही पंजाबी सिनेमा में बड़ा नाम बन गए।

उन्होंने 'पटोला', 'सुहाग चूड़ा', 'सस्सी पन्नू' और 'मौला जट्ट' जैसी फिल्मों से जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की। हिंदी फिल्मों में भी 'कर्मा', 'राम लखन' और 'कमांडो' जैसी फिल्मों में नजर आए, लेकिन असली पहचान उन्हें 'महाभारत' से मिली। इसके अलावा वे 'विक्रम बेताल' और 'सर्कस' जैसे शोज में भी दिखाई दिए।

हालांकि निजी जिंदगी में उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। शादी टूटने के बाद उनका परिवार उनसे दूर हो गया। 2011 में उन्होंने लुधियाना में एक्टिंग स्कूल शुरू किया, जो जल्द ही बंद हो गया। 2015 में कूल्हा टूटने के बाद वे लंबे समय तक बिस्तर पर रहे और आर्थिक संकट गहराता गया।

आखिरकार, 10 अप्रैल 2021 को 74 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया। सतीश कौल की कहानी फिल्मी दुनिया की चमक के पीछे छिपे संघर्ष की सच्चाई बयां करती है।

सीएसके में बड़ा बदलाव

दिल्ली के खिलाफ मैच से पहले प्लेइंग ग्यारहवीं में होगी हलचल

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स का प्रदर्शन अब तक निराशाजनक रहा है। टीम ने अपने शुरुआती तीनों मुकाबले गंवाए हैं, जिसके बाद अब दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले 18वें मैच में प्लेइंग इलेवन में बदलाव की संभावना जताई जा रही है। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले जाने वाले इस मुकाबले में टीम जीत के इरादे से उतरने वाली है।

टीम मैनेजमेंट अब संयोजन में बदलाव कर नई रणनीति अपनाने के मूड में दिख रहा है। सबसे बड़ा बदलाव बल्लेबाजी क्रम में देखने को मिल सकता है। युवा खिलाड़ी डेवाल्ड ब्रेविस पूरी तरह फिट हो चुके हैं और उनकी प्लेइंग इलेवन में वापसी लगभग तय मानी जा रही है। ब्रेविस के आने

से टीम की बल्लेबाजी को मजबूती मिलेगी। हालांकि उनकी एंट्री के साथ ही 14.20 करोड़ रुपये में खरीदे गए कार्तिक शर्मा को बाहर बैठना पड़ सकता है, क्योंकि अब तक वह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

गेंदबाजी विभाग में भी बदलाव की संभावना है। स्पिनर नूर अहमद का प्रदर्शन इस सीजन में फीका रहा है, ऐसे में उनकी जगह अकील हुसैन को मौका दिया जा सकता है। अकील गेंद और बल्ले दोनों से योगदान देने में सक्षम हैं, जो टीम के संतुलन के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

वहीं बल्लेबाजी की बात करें तो टीम के ओपनर ऋतुराज गायकवाड़ और संजू सैमसन का फॉर्म चिंता का विषय बना हुआ है। दोनों खिलाड़ी अब तक रन बनाने में संघर्ष करते नजर आए हैं। चेन्नई को अगर इस सीजन में वापसी करनी है, तो इन दोनों बल्लेबाजों का चलना बेहद जरूरी होगा।

संभावित प्लेइंग इलेवन में संजू सैमसन, ऋतुराज गायकवाड़, आयुष म्हात्रे, सरफराज खान, शिवम दुबे, डेवाल्ड ब्रेविस, अकील हुसैन, अंशुल कंबोज, मैट हेनरी और खलील अहमद जैसे खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि ये बदलाव टीम को पहली जीत दिलाने में कितने कारगर साबित होते हैं।

अजीब मामला: मां निकली बेटे से एक साल छोटी, अफसर भी हैरान

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ से एक ऐसा हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जिसने सरकारी सिस्टम की खामियों को उजागर कर दिया है। यहां एक मां कागजों में अपने ही बेटे से एक साल छोटी हो गई है। सुनने में भले अजीब लगे, लेकिन यह सच्चाई आधार कार्ड में दर्ज एक गलती की वजह से सामने आई है।

बंथरा क्षेत्र की रहने वाली नीता की वास्तविक उम्र करीब 60 वर्ष है, लेकिन उनके आधार कार्ड में जन्मतिथि 1 जनवरी 1995 दर्ज है। वहीं उनके बेटे शैलेंद्र की जन्मतिथि 1 जनवरी 1996 है। यानी दस्तावेजों के अनुसार मां अपने बेटे से छोटी हो गई है। यह विसंगति अब उनके लिए बड़ी परेशानी बन चुकी है।

परिवार पिछले दो साल से इस गलती को सुधारने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहा है, लेकिन हर बार निराशा ही हाथ लगती है। आधार केंद्र से लेकर अन्य विभागों तक गुहार लगाने के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला। हाल ही में परिजन मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय भी पहुंचे, जहां उम्र निर्धारण के लिए आवेदन दिया गया, लेकिन वहां भी नियमों का हवाला देकर मना कर दिया गया।

परिजनों का कहना है कि परिवार रजिस्टर सहित सभी दस्तावेजों में नीता की सही उम्र दर्ज है, लेकिन आधार की गलती ने उन्हें सरकारी योजनाओं और सुविधाओं से वंचित कर दिया है। बेटे शैलेंद्र ने अब साफ कर दिया है कि अगर जल्द समाधान नहीं हुआ तो वह अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे।

दिन-दहाड़े मॉर्निंग वॉक पर वकील की गोली मारकर हत्या

यूनिक समय, मिर्जापुर। मिर्जापुर में शनिवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले एक सीनियर वकील की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह सनसनीखेज वारदात कटरा कोतवाली क्षेत्र के कतवारू का पुरा मोहल्ले में सुबह करीब 7:15 बजे हुई। हमले की पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

मृतक की पहचान 45 वर्षीय राजीव सिंह के रूप में हुई है, जो पेशे से वकील थे और पूर्व में ग्राम प्रधान भी रह चुके थे। उनकी पत्नी वर्तमान में ग्राम प्रधान हैं। बताया जा रहा है कि राजीव रोज की तरह घर से टहलने निकले थे, तभी बाइक सवार दो हमलावरों ने उन्हें रास्ते में रोका और सीने पर तमंचा सटाकर गोली मार दी।

गोली लगते ही राजीव सिंह मौके पर ही गिर पड़े। आसपास के लोग उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद आरोपी भागने लगे, लेकिन उनकी बाइक कुछ देर तक स्टार्ट नहीं हुई। इस दौरान स्थानीय लोग उन्हें पकड़ने दौड़े, लेकिन आरोपियों ने तमंचा तानकर उन्हें डरा दिया और मौके से फरार हो गए।

पुलिस के अनुसार, हत्या के पीछे चुनावी रंजिश सामने आ रही है। मुख्य आरोपी की पहचान राजेंद्र सोनकर के रूप में हुई है, जो मृतक के ही गांव का रहने वाला है और प्रधानी का चुनाव भी लड़ चुका है। बताया जा रहा है कि करीब सात महीने पहले भी उसने राजीव सिंह से मारपीट की थी।

पुलिस का कहना है कि आरोपी ने पहले से रेकी कर वारदात को अंजाम दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कई टीमें गठित कर दी गई हैं और आरोपियों की तलाश जारी है।

सीसीटीवी में कैद वारदात, पुलिस ने शुरू की तलाश

चुनावी रंजिश में वारदात की आशंका, बाइक सवार हमलावर फरार

घटना के बाद वकीलों में भारी आक्रोश है। उन्होंने अस्पताल के बाहर प्रदर्शन करते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। अधिकारियों के आश्वासन के बाद स्थिति को शांत कराया गया, लेकिन इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है।

यूपी में बदलेगा मौसम

बढ़ेगी गर्मी, पारा चढ़ेगा 8 डिग्री तक

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अब मौसम तेजी से करवट लेने वाला है। पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होते ही प्रदेश में गर्मी ने फिर से दस्तक दे दी है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले एक सप्ताह में तापमान में 6 से 8 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

प्रदेश में तेज धूप और पछुआ हवाओं के कारण गर्मी का असर बढ़ने लगा है। कई जिलों में हवाओं की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा तक दर्ज की गई, जिससे वातावरण और अधिक शुष्क हो गया। साफ आसमान के चलते दिन का तापमान 3 से 4 डिग्री तक बढ़ चुका है।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगले दो हफ्तों तक प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहेगा और बारिश की संभावना बहुत कम है। दिन के साथ-साथ रात का तापमान भी धीरे-धीरे बढ़ेगा, जिससे गर्मी का प्रभाव और तेज महसूस होगा।

शुक्रवार को उरई 36.7 डिग्री तापमान के साथ सबसे गर्म रहा, जबकि प्रयागराज दूसरे स्थान पर रहा। विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर में सावधानी बरतने और तेज धूप से बचने की सलाह दी है।

विपक्ष पर गरजे सीएम योगी: प्रजा सुखी तो शासन सफल

यूनिक समय, लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकास योजनाओं की सौगात देने के साथ ही विपक्ष पर तीखा हमला बोला। पलियाकलां तहसील के चंदनचौकी में उन्होंने थारू जनजाति के 4356 परिवारों को 538 हेक्टेयर जमीन के मालिकाना हक के प्रमाण पत्र सौंपे। दशकों से भूमि उपयोग कर रहे इन परिवारों को अब अधिकार मिलने से उनके जीवन में स्थायित्व और आत्मसम्मान की नई उम्मीद जगी है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया, जिनमें सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी

योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है।

अपने संबोधन में योगी आदित्यनाथ ने संस्कृत श्लोक के जरिए कहा कि सच्चा शासन वही होता है, जहां प्रजा सुखी रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों में संवेदना का अभाव था और परिवारवाद हावी था। सीएम ने कहा कि पहले विकास केवल कुछ खास क्षेत्रों तक सीमित था, लेकिन अब पूरे प्रदेश में समान रूप से योजनाएं लागू की जा रही हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि जमीन का मालिकाना हक केवल संपत्ति नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और सम्मान की गारंटी है। अब किसी भी अधिकारी या दबंग द्वारा जमीन पर कब्जा नहीं किया जा सकेगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने आवास योजना के तहत लाभार्थियों को घरों की चाबियां भी सौंपीं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार हर जरूरतमंद तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

आगरा में वोटर लिस्ट में बड़ा बदलाव: 6.37 लाख नाम कटे

यूनिक समय, आगरा। आगरा जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के बाद मतदाता सूची में बड़ा बदलाव सामने आया है। अंतिम प्रकाशन के अनुसार जिले में कुल 6,37,653 वोटरों के नाम कट गए हैं। पहले जहां कुल मतदाता 36 लाख से अधिक थे, वहीं अब संख्या घटकर 29,62,418 रह गई है।

सबसे ज्यादा असर आगरा कैंट विधानसभा क्षेत्र में देखने को मिला, जहां बड़ी संख्या में नाम हटाए गए। वहीं बाह विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम नए मतदाता जुड़े हैं। आगरा उत्तर, दक्षिण और ग्रामीण सीटों पर भी मतदाताओं की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे चुनावी समीकरण प्रभावित हो सकते हैं।

करीब 166 दिन तक चले इस अभियान के दौरान दावे और आपत्तियों का निस्तारण किया गया। प्रशासन का कहना है कि सूची को शुद्ध और पारदर्शी बनाने के लिए यह प्रक्रिया अपनाई गई है।

हालांकि, इतने बड़े पैमाने पर नाम कटने से राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है और इसके दूरगामी असर की संभावना जताई जा रही है।

मेरठ सेंट्रल मार्केट विवाद बना बड़ा आंदोलन

सेटबैक नीति के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग

यूनिक समय, मेरठ । मेरठ के शास्त्री नगर स्थित सेंट्रल मार्केट विवाद अब बड़ा आंदोलन बनता जा रहा है। सेक्टर-2 के स्थानीय निवासी, खासकर महिलाएं और बच्चे, सेटबैक नीति के विरोध में धरने पर बैठ गए हैं। लोगों ने अपने घरों के बाहर पलायन के पोस्टर लगाकर प्रशासन के फैसले के खिलाफ नाराजगी जाहिर की है।

धरने पर बैठे लोगों का कहना है कि उनके मकान पहले से ही छोटे हैं और अगर सेटबैक नीति लागू की गई तो उनके घरों का बड़ा हिस्सा टूट जाएगा। इससे हजारों परिवारों के सामने रहने का संकट खड़ा हो सकता है। प्रदर्शनकारियों ने साफ चेतावनी दी है

कि वे किसी भी हालत में अपने घरों में यह नीति लागू नहीं होने देंगे, चाहे इसके लिए उन्हें लंबा आंदोलन ही क्यों न करना पड़े।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रशासन बिना जमीनी हकीकत समझे कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने मांग की है कि इस फैसले पर पुनर्विचार किया जाए और आम लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए समाधान निकाला जाए।

दूसरी ओर, नगर निगम द्वारा सेंट्रल मार्केट में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जारी है। कई दुकानों को तोड़ा जा रहा है, जबकि कुछ दुकानदारों ने बाजार खोलना शुरू कर दिया है। मौके पर पुलिस और प्रशासन की टीम तैनात है ताकि स्थिति नियंत्रण में बनी रहे।

यह विवाद अब प्रशासन और आम जनता के बीच टकराव का रूप लेता जा रहा है, जिसमें आगे और तनाव बढ़ने की आशंका है।

सीतापुर हादसा

टूरिस्ट बस-कार भिड़ंत में 25 लोग घायल

यूनिक समय, सीतापुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर में शनिवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया, जब एक टूरिस्ट बस और कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में बस में सवार करीब 25 यात्री घायल हो गए। सभी यात्री लखनऊ के सचिवालय कॉलोनी के निवासी बताए जा रहे हैं और नैमिष धाम दर्शन के लिए जा रहे थे। हादसा संदना थाना क्षेत्र के सिधौली-मिश्रिख मार्ग पर रालामऊ गांव के पास हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस में बैठे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना में कार चालक चंदन शर्मा भी घायल हुआ, लेकिन वह अपनी कार लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का कारण माना जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार चालक के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

बंगाल में पीएम मोदी ने ममता सरकार पर बोला

भ्रष्टाचार का हिसाब होगा श्वेत पत्र लाएगी भाजपा

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में चुनावी सरगर्मी के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कटवा में जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल में पिछले 15 वर्षों में व्यापक भ्रष्टाचार हुआ है और इसे उजागर करने के लिए भाजपा एक विस्तृत "श्वेत पत्र" जारी करेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस श्वेत पत्र में टीएमसी सरकार के कार्यकाल का पूरा लेखा-जोखा होगा, जिसमें कथित घोटालों और अनियमितताओं का विवरण सामने लाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में मंत्रियों, विधायकों और स्थानीय स्तर पर संगठित समूहों की मिलीभगत से सुनियोजित तरीके से भ्रष्टाचार किया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर इन मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही उन्होंने दावा किया कि राज्य में बढ़ते जनसमर्थन से टीएमसी घबराई हुई है और लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। रैली में प्रधानमंत्री ने महिलाओं के लिए विशेष योजनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने महिलाओं को हर महीने 3,000 रुपये देने की घोषणा की है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने बंगाल की "माताओं और बहनों" को सुरक्षा और सम्मान का भरोसा दिलाया। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होने हैं, जबकि नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। पिछली बार 2021 के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने 213 सीटों पर जीत हासिल की थी, जबकि भाजपा ने 77 सीटों के साथ अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई थी।

इस बार का चुनाव मुकाबला और भी दिलचस्प माना जा रहा है, जहां भाजपा और टीएमसी के बीच सीधी टक्कर देखने को मिल रही है।

अमेरिका में महंगाई का कहर आम लोगों की बढ़ी मुश्किलें

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका की अर्थव्यवस्था इन दिनों बढ़ती महंगाई के दबाव में है। मार्च 2026 में महंगाई दर 3.3% तक पहुंच गई, जो पिछले महीनों की तुलना में तेज उछाल है। इस बढ़ोतरी का सबसे बड़ा कारण ऊर्जा संकट और ईरान के साथ तनाव को माना जा रहा है, जिससे तेल और गैस की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक पेट्रोल-डीजल के दाम तेजी से बढ़े हैं और गैस की कीमतों में 60 साल की सबसे बड़ी छलांग दर्ज की गई है। इसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ा है। खाने-पीने की चीजें, ट्रांसपोर्ट और रोजमर्रा के खर्च लगातार महंगे हो रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ती ईंधन लागत के कारण आने वाले समय में खाद्य पदार्थ, हवाई यात्रा और डिलीवरी सेवाएं और महंगी हो सकती हैं। इससे आम उपभोक्ता की खर्च करने की क्षमता घटेगी।

इस बीच अमेरिकी फेडरल रिजर्व के लिए भी चुनौती बढ़ गई है। ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कम हो गई हैं, जिससे लोन और महंगे हो सकते हैं।

कुल मिलाकर, महंगाई का यह दौर अमेरिका के आम नागरिकों के लिए आर्थिक दबाव और अनिश्चितता लेकर आया है।

शांति वार्ता से पहले ईरान की कड़ी शर्तें

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच ईरान और अमेरिका के बीच प्रस्तावित शांति वार्ता से पहले ही माहौल तनावपूर्ण हो गया है। ईरान का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंच चुका है, जहां दोनों देशों के बीच अहम बातचीत होनी है।

ईरान ने साफ कर दिया है कि वार्ता तभी आगे बढ़ेगी, जब उसकी शर्तों पर विचार किया जाएगा। इनमें आर्थिक प्रतिबंधों में राहत, फ्रीज की गई संपत्तियों की वापसी और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। साथ ही, ईरान ने लेबनान को भी किसी संभावित युद्धविराम में शामिल करने की मांग रखी है। दूसरी ओर, अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल भी वार्ता के लिए रवाना हो चुका है, लेकिन दोनों देशों के बीच भरोसे की कमी साफ नजर आ रही है। हाल ही में एक-दूसरे पर युद्धविराम उल्लंघन के आरोपों ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस वार्ता से तुरंत कोई बड़ा समाधान निकलना मुश्किल है, लेकिन यह बातचीत भविष्य के कूटनीतिक रास्ते तय करने में अहम साबित हो सकती है।

इस्लामाबाद में बढ़ा तनाव

संसद में मोदी-राहुल की मुलाकात, चर्चा में आई तस्वीर

यूनिक समय, नई दिल्ली। महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के मौके पर संसद परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच हुई संक्षिप्त मुलाकात चर्चा का विषय बन गई है। दोनों नेताओं का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वीडियो में देखा गया कि श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी नेताओं से मिलते हुए राहुल गांधी के पास रुके और कुछ क्षण बातचीत की। हालांकि बातचीत का विषय स्पष्ट नहीं हो सका, लेकिन यह अनौपचारिक मुलाकात लोगों का ध्यान खींच रही है। इस दौरान लोकसभा स्पीकर ओम बिरला समेत कई अन्य नेता भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर महात्मा ज्योतिबा फुले को श्रद्धांजलि देते हुए उनके सामाजिक न्याय, शिक्षा और समानता के योगदान को याद किया। यह छोटी मुलाकात राजनीतिक गलियारों और सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बनी हुई है।

अमेरिका ने चीन पर ईरान को हथियार देने का लगाया आरोप

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने दावा किया है कि चीन ईरान को आधुनिक कंधे से दागे जाने वाले मिसाइल सिस्टम सप्लाई करने की तैयारी में है। रिपोर्ट के अनुसार ये हथियार कम ऊंचाई पर उड़ने वाले अमेरिकी हेलीकॉप्टरों और लड़ाकू विमानों के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं।

हाल ही में ईरान द्वारा एक अमेरिकी एफ-15 विमान को मार गिराने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया कि इसमें हीट-सीकिंग मिसाइल का इस्तेमाल हुआ। अगर यह चीनी मूल की साबित होती है, तो इसे बीजिंग की सीधी भागीदारी माना जाएगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि चीन इन हथियारों को तीसरे देशों के जरिए भेजने की योजना बना रहा है, ताकि उसकी भूमिका छिपी रहे। हालांकि चीन ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि वह केवल रक्षात्मक सहयोग की बात करता है। इस बीच बढ़ते आरोपों ने अमेरिका-चीन संबंधों में तनाव और बढ़ा दिया है।

जिबूती में इस्माइल उमर गुलेह की लगातार छठी जीत

यूनिक समय, नई दिल्ली। अफ्रीका के छोटे लेकिन रणनीतिक रूप से अहम देश जिबूती में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे एक बार फिर एकतरफा रहे। 78 वर्षीय इस्माइल उमर गुलेह लगातार छठी बार राष्ट्रपति चुने गए हैं। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक उन्हें करीब 97.81 प्रतिशत वोट मिले। उनके खिलाफ केवल एक उम्मीदवार मोहम्मद फराह समातर मैदान में थे, जिससे चुनाव में वास्तविक मुकाबला नहीं दिखा।

गुलेह 1999 से सत्ता में हैं और उन्होंने अपने चाचा व पूर्व राष्ट्रपति हसन गौलेद अप्तिदोन की विरासत संभाली थी। पिछले साल संसद द्वारा आयु सीमा हटाए जाने के बाद उनके लिए फिर चुनाव लड़ना आसान हो गया। विपक्षी दल लंबे समय से चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते रहे हैं।

रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जिबूती रेड सी और एडेन की खाड़ी के बीच स्थित है, जहां अमेरिका, चीन और फ्रांस जैसे देशों के सैन्य अड्डे मौजूद हैं, जो इसकी अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार हैं।

98 प्रतिशत वोट के साथ फिर बने राष्ट्रपति

मिडिल ईस्ट तनाव के बीच कतर ने भारत को दिया भरोसा

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कतर ने भारत को गैस और तेल की सप्लाई लगातार जारी रखने का भरोसा दिया है। यह आश्वासन भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। दोहा में कतर के ऊर्जा मंत्री और भारत के पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के बीच हुई बैठक में दोनों देशों ने ऊर्जा सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की। कतर भारत का प्रमुख एलएनजी और एलपीजी सप्लायर है, जिससे देश की बड़ी ऊर्जा जरूरतें पूरी होती हैं। ऐसे में यह भरोसा मौजूदा वैश्विक अनिश्चितता के बीच बेहद अहम है। भारत भी ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर काम तेज कर रहा है और नवीकरणीय ऊर्जा के जरिए अपनी क्षमता लगातार बढ़ा रहा है, ताकि भविष्य में किसी संकट का असर कम हो सके।

200 सीसीटीवी कैमरे और महीनों की तलाश के बाद ड्रग क्वीन गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने लंबे ऑपरेशन के बाद राजधानी की कुख्यात "ड्रग क्वीन" कुसुम को गिरफ्तार कर लिया है। करीब दो से तीन महीने तक चली तलाश में पुलिस ने 200 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले और 100 से अधिक मोबाइल फोन रिकॉर्ड्स का विश्लेषण किया। आखिरकार 9 अप्रैल को शाहदरा इलाके में जाल बिछाकर उसे दबोच लिया गया।

कुसुम पर 50 हजार रुपये का इनाम था और वह संगठित अपराध के तहत फरार चल रही थी। पुलिस के अनुसार, वह लगातार ठिकाने बदलती थी, स्मार्टफोन का इस्तेमाल नहीं करती थी और नए सिम कार्ड के जरिए पहचान छिपाती थी, जिससे उसे पकड़ना बेहद मुश्किल हो गया था। पूछताछ में

खुलासा हुआ कि वह दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में फैले बड़े ड्रग नेटवर्क की सरगना थी। उसके परिवार के कई सदस्य भी इस अवैध कारोबार में शामिल पाए गए हैं।

पुलिस का मानना है कि इस गिरफ्तारी से क्षेत्र में सक्रिय ड्रग सिंडिकेट को बड़ा झटका लगा है।

जीमेल में एंड-टू-एंड सुरक्षा, अब ईमेल और सुरक्षित

यूनिक समय, नई दिल्ली। गूगल ने जीमेल में बड़ा अपडेट करते हुए पूरी तरह सुरक्षित संदेश प्रणाली को मोबाइल तक बढ़ा दिया है। अब उपयोगकर्ता सीधे अपने फोन से सुरक्षित ईमेल भेज और पढ़ सकेंगे। इस सुविधा के तहत संदेश भेजने से पहले ही वह उपयोगकर्ता के डिवाइस पर सुरक्षित रूप से बंद हो जाता है, जिससे बीच में कोई तीसरा व्यक्ति उसे पढ़ नहीं सकता। संदेश लिखते समय एक ताले का निशान दिखाई देगा, जिसे सक्रिय कर सुरक्षा बढ़ाई जा सकती है। यह सुविधा खासतौर पर संस्थानों और उन लोगों के लिए उपयोगी है, जो संवेदनशील जानकारी के साथ काम करते हैं। इस अपडेट से अब बिना किसी जटिल प्रक्रिया के मोबाइल पर भी सुरक्षित संचार करना आसान हो जाएगा।

अनाज मंडी में किसानों से आढ़तिया और बिचौलिया कर रहे दबंगई

संवाददाता

यूनिक समय, कोसीकलां (मथुरा)। रबी सीजन की फसल आते ही अनाज मंडियों में आढ़तियों और बिचौलियों की दबंगई और मनमानी चरम पर है। कोसीकलां अनाज मंडी में शनिवार को तौल में बड़ी धांधली का मामला सामने आया है, जहाँ किसानों की जेब पर डाका डालते हुए प्रति बोरी पर दो किलो अतिरिक्त गेहूं वसूला जा रहा है। हद तो तब हो गई जब इस धांधली का विरोध करने और वीडियो बनाने पर पल्लेदारों ने एक किसान के साथ मारपीट कर दी।

जानकारी के अनुसार, ग्राम तूमौला निवासी किसान ओमप्रकाश शनिवार सुबह अपनी गेहूं की फसल लेकर कोसीकलां मंडी स्थित एक कंपनी पहुंचे थे। किसान का आरोप है कि तौल के दौरान उनकी हर बोरी से दो किलो गेहूं फालतू निकाला जा रहा था। जब उन्होंने इसका विरोध किया और साक्ष्य के तौर पर वीडियो बनाना शुरू किया तो वहां मौजूद पल्लेदारों ने एकजुट होकर किसान ओमप्रकाश के साथ मारपीट और गाली–गलौज की।

कोसीकलां मंडी में रखा अनाज।

पीड़ित किसान ने व्यथा सुनाते हुए कहा कि किसान पहले ही कुदरत की मार और बेमौसम बारिश से परेशान है, ऊपर से मंडी में सरेआम लूट मची हुई है। एक ट्रेडिंग कंपनी पर बड़े पैमाने पर गड़बड़ हो रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़ित ने तुरंत उच्चाधिकारियों को इसकी सूचना दी।

मामला तूल पकड़ते ही उप जिलाधिकारी वैभव गुप्ता ने इसे संज्ञान में लिया है। एसडीएम ने कहा कि मंडी में घटतौली और किसानों के साथ अभद्रता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगी। मंडी सचिव को तत्काल जांच के निर्देश दिए गए हैं। दोषियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, मंडी सचिव ने चेतावनी दी है कि यदि किसी आढ़ती के यहाँ तौल में हेराफेरी पाई गई तो उसका लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

प्रति बोरी पर दो किलो गेहूं अतिरिक्त वसूल रहे

विरोध करने पर किसान को पीटा

प्राथमिक विद्यालय कोटा में शिक्षक चौपाल एवं स्कूल चलो अभियान का आयोजन

यूनिके समय, मथुरा। प्राथमिक विद्यालय कोटा में शिक्षक चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा की गुणवत्ता एवं नामांकन बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम की शुरुआत एसएमसी अध्यक्ष विजय सिंह द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई।

इस अवसर पर सदस्य विनीता देवी, रेखा, पूनम, हेमलता सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। विद्यालय की प्रधानाध्यापक अनुरीता शर्मा एवं पूनम शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया। शिक्षण संकुल से विनोद कुमार, कविता सक्सेना, अलका सक्सेना, अनिरुद्ध कौशिक, एनपीआरसी मधुसूदन, राजकुमार गौतम, जयपाल सिंह सहित कई शिक्षक एवं शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

एआरपी डोरी लाल शर्मा, गिरीश कौशिक एवं अन्य गणमान्य शिक्षकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम

में नन्हे–मुन्ने बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिनकी सभी ने सराहना की। इस दौरान स्कूल चलो अभियान के तहत रैली भी निकाली गई और ग्रामीणों को अधिक से अधिक नामांकन के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में जिला मीडिया प्रभारी राजीव रावत भी उपस्थित रहे और अभियान की सराहना की।

मथुरा में भाजपा बाबा साहब अंबेडकर की जयंती मनाएगी

भाजपा के जिला कार्यालय पर आयोजित बैठक में यूपी के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण, जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय आदि।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। भाजपा जिला इकाई ने डॉ बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया है। इसे लेकर पुष्पांजलि स्थित जिला कार्यालय पर जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे की अध्यक्षता में कार्य योजना बैठक की गई। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी थे। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गयी। जिला अध्यक्ष ने बताया कि 14 से 20 अप्रैल तक जिले के सभी बूथ स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जयंती के पूर्व 13 अप्रैल को अंबेडकर चौक स्थित प्रतिमा स्थल पर स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा। साथ ही शाम में दीपोत्सव का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल को जिला मुख्यालय में संगोष्ठी होगी। बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी जायेगी। 15 से 17 अप्रैल तक महादलित बस्तियों एवं छात्रावासों में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेगी, जिसमें प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया जायेगा। जिला मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी ने बताया कि कार्यालय पर बैठक से पहले वृंदावन घटना में मृतक लोगों के लिए दो मिनट मौन रहकर श्रद्धा सुमन भी अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक में जिला महामंत्री आकाश चौधरी, अमन ठाकुर, कोसीकलां नगर पालिका चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल, नरदेव चौधरी कार्यक्रम संयोजक जगमोहन पाठक, सहसंयोजक अजय परखम, सतीश वाल्मीकि, अनिल चौधरी उपाध्यक्ष मनीषा पाराशर तथा मुदिता शर्मा आदि उपस्थित थे।

वाहन टकराने पर भागवत प्रवक्ता ने लगाया मारपीट का आरोप

वृंदावन कोतवाली पहुंचे भागवताचार्य मृदुलकांत शास्त्री।

यूनिक समय, वृंदावन। भागवत प्रवक्ता आचार्य मृदुलकांत शास्त्री की गाड़ी से एक वाहन के टकराने पर विवाद हो गया। वाहन के टकराने के बाद दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। इसके बाद भागवत प्रवक्ता ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस को घटना की जानकारी देकर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की। वहीं भागवत प्रवक्ता के साथ मारपीट होने की सूचना पर उनके शिष्य कोतवाली पहुंच गए हंगामा करने लगे। वहीं कोतवाली में मौजूद डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय, डीएम सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार ने मामले को गंभीरता से लिया, अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।

जानकारी के अनुसार भागवत प्रवक्ता दोपहर के समय अपनी गाड़ी से मथुरा से वृंदावन की ओर आ रहे थे। चुंगी चौराहा वृंदावन की ओर से बस स्टेशन के समीप दिल्ली नंबर की कार पहुंची और भागवत प्रवक्ता की गाड़ी में टक्कर मार दी। उनकी गाड़ी का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर के बाद भागवत प्रवक्ता मृदुलकांत शास्त्री अपनी गाड़ी से उतरे और टक्कर मारने वाली कार की चाबी निकालने का प्रयास किया, जिससे उस कार का चालक भाग न सके, लेकिन कार में सवार युवकों ने उतरकर भागवत प्रवक्ता के साथ मारपीट कर दी थी। वहीं धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ गौड़ ने भागवत प्रवक्ता के साथ दिल्ली के कुछ अराजक तत्वों द्वारा की गई मारपीट पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है ।

कोतवाली पुलिस ने पकड़े हमलावर

अधिवक्ता कल्याण एसोसिएशन के चुनाव अध्यक्ष बने जगदीश प्रसाद गर्ग

अधिवक्ता कल्याण एसोसिएशन के चुनाव में अध्यक्ष पद पर जीते जगदीश प्रसाद को प्रमाण पत्र देते चुनाव अधिकारी।

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। अधिवक्ता कल्याण एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव 2025–26 का परिणाम घोषित हो गया, पूरे दिन चली चुनाव प्रक्रिया के बाद शाम पांच बजे चुनाव कमेटी ने मतों की गणना करते हुए परिणाम घोषित किया। अध्यक्ष पद के दो प्रत्याशियों जगदीश प्रसाद गर्ग और चौधरी देशराज सिंह के बीच कड़ा मुकाबला था। कुल मिलाकर 106 वोट पड़े। इसमें जगदीश प्रसाद गर्ग को 66 वोट तथा चौधरी देशराज सिंह को 40 वोट मिले। इस तरह चुनाव अधिकारी पूरन सिंह ने जगदीश प्रसाद गर्ग को विजय घोषित कर दिया। जगदीश प्रसाद गर्ग ने बताया कि अपने किए गए वादों पर खरा उतरने की कोशिश करेंगे और जूनियर साथियों को साथ लेकर चलेंगे। इस मौके पर बच्चू सिंह, भगवान सिंह रुहेला, किशन सिंह, एनएम अग्रवाल, चौधरी निरंजन सिंह, मनोज गौतम, हर्ष, अर्जुन सिंह, किशन सिंह, धर्मवीर रावत, मुरलीधर, एहसान अली, यशपाल, संजू, वीरेंद्र चौधरी, हितेश, प्रीति गुप्ता, मंजू, शशि वाला सैनी, कपिल, सुशील भारद्वाज आदि मौजूद थे।

दिव्य 'रासलीला' से नई पीढ़ी को जोड़ने का अभिनव प्रयास

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। भगवान श्रीकृष्ण, राधा रानी एवं सखियों द्वारा द्वापर युग में की गई दिव्य लीलाएं आज कलियुग में 'रासलीला' के रूप में विख्यात हैं। ब्रजभूमि में इन लीलाओं का मंचन सदियों से होता रहा है, जिसने अनगिनत भक्तों को गहन आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान की है।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा संचालित गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी, वृंदावन के निदेशक प्रो. दिनेश खन्ना ने बताया कि द्वापर युग की इन लीलाओं को ही कलियुग में 'रासलीला' का स्वरूप प्राप्त हुआ है। वर्तमान में यह परंपरा कुछ आश्रमों तक सीमित होती जा रही है, जिसे पुनः जन–जन तक पहुंचाने के लिए परिषद ने विशेष पहल की है। इसी उद्देश्य से अकादमी द्वारा स्कूली एवं महाविद्यालयीन छात्र–छात्राओं को रासलीला का व्यवस्थित प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात ये युवा कलाकार विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं सांस्कृतिक मंचों पर रासलीला का प्रभावशाली मंचन कर रहे हैं। प्रो. खन्ना ने बताया कि संस्कृति विश्वविद्यालय, मथुरा के विद्यार्थियों को भी इस परंपरा से जोड़ने के लिए समझौता (एमओयू) किया जा चुका है। शीघ्र ही वहां अभिनय कार्यशाला आयोजित कर विद्यार्थियों को रासलीला का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसी क्रम में अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज की छात्राओं को तीन माह (एक जनवरी से 31 मार्च) का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के बाद 12 अप्रैल को शाम चार बजे से महाविद्यालय के 'मातृ सभागार' में 'मुदरिया चोरी' रासलीला का भव्य मंचन किया जाएगा।

रामलीला का प्रशिक्षण लेते विद्यार्थी।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल बाजपेई के अनुसार, यह प्रस्तुति पूर्णतः छात्राओं द्वारा दी जाएगी। रासलीला का निर्देशन प्रो. दिनेश खन्ना द्वारा किया गया है, जबकि संगीत प्रशिक्षण अकादमी के विशेषज्ञों ने प्रदान किया है। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की शिक्षिका मांडवी राठौर एवं गीता शोध संस्थान के समन्वयक चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

शारदा विवि, ब्रज कला केंद्र, मंगलायतन विवि, अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज समेत कई संस्थानों में जागी रासलीला मंचन सीखने की ललक

गांव मलसराय में स्कूल चलो अभियान में निकाली रैली

स्कूल चलो अभियान में रैली निकाले बच्चे और स्कूली स्टाफ।

यूनिक समय, गोवर्धन। विकास खण्ड गोवर्धन के उच्च प्राथमिक विद्यालय मलसराय के स्टाफ एवं आंगनवाड़ी कार्यकत्री तथा बच्चों ने स्कूल चलो रैली निकाली। इसका शुभारंभ ग्राम पंचायत मलसराय के प्रधान मदन फौजदार एवं विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष कंचन फौजदार ने किया।

सभी ने सरकारी विद्यालय में मिल रही सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए शत प्रतिशत नामांकन कराने का आश्वासन दिया। रैली में शिक्षिका श्रीमती गीता देवी, श्रीमती मधु शिक्षक श्री सत्यभान, अशोक फौजदार, मनोज आदि शामिल थे।